संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 266
पृष्ठ 8
मंगलवार
16 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में स्किन को नेचुरल ग्लो...
विचार- अब भगवा के निशाने पर पंजाब...
खेल- पांच साल बाद विश्वकप में...

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सीएम योगी बोले

किसानों ने यूपी के विकास का नया इतिहास रचा

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कमर्शियल ऑपरेशन शुरू होने को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, गौतम बुद्ध नगर और देश के एविएशन सेक्टर के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया और इस प्रोजेक्ट की सफलता का श्रेय किसानों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। एयरपोर्ट प्रोजेक्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों की सभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एयरपोर्ट उनके सहयोग और सरकार की समय पर काम पूरा करने की प्रतिबद्धता की वजह से ही बन पाया है। उन्होंने कहा कि जेवर, गौतम बुद्ध नगर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूरे देश के एविएशन सेक्टर के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि भारत के सबसे बेहतरीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स में से एक से कमर्शियल उड़ानें शुरू हो गई हैं। प्रोजेक्ट के शुरुआती दौर को याद करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य कैबिनेट ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी और अधिकारियों के लिए सख्त समय–सीमा तय की गई थी। उन्होंने कहा कि मैंने जिला मजिस्ट्रेट और अन्य अधिकारियों को 100 दिनों के भीतर जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने की समय–सीमा दी थी। एक चुनौती थी, लेकिन किसानों ने हम पर भरोसा जताया। उन्होंने आगे कहा कि जमीन अधिग्रहण के दौरान शुरू में जो विरोध हुआ, उसे बातचीत से सुलझा लिया गया। उन्होंने कहा कि मैंने लगभग 100 किसानों के साथ बैठकर उन्हें समझाया कि यह विकास का एक सुनहरा मौका है। आपकी जमीन एक नए भविष्य की नींव बनेगी। इलाके में आए बदलाव का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर, जो कभी अपराध और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था, अब विकास के एक बड़े केंद्र के तौर पर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट से कार्गो सुविधाओं, एयरक्राफ्ट की देखरेख और ग्लोबल कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा, जिससे विदेशी हब पर भारत की निर्भरता कम होगी। आदित्यनाथ ने आने वाले समय में बनने वाले संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर का भी जिक्र किया, जिसमें यमुना अथॉरिटी के तहत टाटा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, कई स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम, डिग्री कॉलेज, मेडिकल और स्पोर्ट्स सुविधाएं, ट्रॉमा सेंटर और ओलंपिक स्तर की प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक इनडोर स्टेडियम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। जेवर ने अब इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को एविएशन और इंडस्ट्री के नए मौकों के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी और तैयार किया जाएगा।

टेक्नोलॉजी हमारे संबंधों का आधार :मोदी

भारत-स्लोवाकिया के बीच कई अहम समझौते

ब्रातिस्लावा,एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्लोवाकियाई समकक्ष रॉबर्ट फिचो के बीच ब्रातिस्लावा कैसल में अहम मुलाकात हुई। दोनों के अहम बैठक हुई, जिसके बाद एक संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इस दौरे को ऐतिहासिक बताया और भारत–ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया की मदद का आभार भी जताया। साझा वक्तव्य के दौरान पीएम मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री और मैंने हमारे सहयोग को नई दिशा और नई गति देने के बारे में विस्तार से चर्चा की। हमारे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी में हुई प्रगति हमारे लिए संतोष की बात है। हालाँकि, हमारी क्षमताएं बहुत अधिक हैं और हमारी आकांक्षाएं उससे भी कहीं अधिक हैं। पीएम मोदी ने कहा, हमारे आत्मीयता भरे स्वागत के लिए मैं प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको अनुभवी नेता होने के साथ भारत के सच्चे मित्र हैं। भारत स्लोवाकिया के संबंधों को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में उनकी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता का विशेष महत्व रहा है। मुझे खुशी है कि आज उनसे मिलकर हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने का शुभ अवसर मिला। मेरी ये यात्रा किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है। पीएम मोदी ने कहा कि, इंडिया–ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया से मिले सहयोग के लिए मैं प्रधानमंत्री जी का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। हम इसके जल्द से जल्द इम्प्लीमेंटेशन के लिए काम करेंगे ताकि दोनों देशों के उद्योग, स्टार्टअप्स और ट्रेडर्स इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। टेक्नोलॉजी हमारी भावी साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ है। डिजिटल टेक्नोलॉजी पर आज किए गए समझौते इसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग की नई संभावनाएं बनाएंगे। मुझे खुशी है कि स्लोवाकिया की एक यूनिवर्सिटी में एआई के विषय पर इंडिया चेयर स्थापित की जा रही है। एआई मानवता की सेवा और प्रगति का सशक्त माध्यम बने, यही हमारी साचा सोच है।

नशे के कारोबार पर लगाम लगाने में ऑपरेशन तूफान कारगर : रमेश चेन्निथला

त्रिशूर,एजेंसी। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने सोमवार को कहा कि राज्य में मादक पदार्थों के खिलाफ ऑपरेशन तूफान अभियान सफल हो रहा है। चेन्निथला ने लोगों से मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाज ने मादक पदार्थों की समस्या की गंभीरता को समझना शुरू कर दिया है और इस अभियान की सफलता के लिए लोगों की भागीदारी बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, यह अभियान इसलिए सफल हो रहा है, क्योंकि समाज ने खुद यह मान लिया है कि मादक पदार्थों का इस्तेमाल आज हमारे सामने मौजूद सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। इस चुनौती से निपटने में हर किसी की भूमिका आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में केरल में मादक पदार्थों के इस्तेमाल और इसकी तस्करी के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, बहुत से युवा जान–बूझकर या अनजाने में मादक पदार्थों के जाल में फंस रहे हैं। ऑपरेशन तूफान का मकसद उन्हें इस खतरे से बचाना है। चेन्निथला ने कहा कि यह अभियान सिर्फ पुलिस की कार्रवाई से सफल नहीं हो सकता।

खेत में पलटी निजी बस, महिला समेत तीन की मौत, 12 घायल

फतेहाबाद,एजेंसी। हरियाणा के फतेहाबाद जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 यात्री घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब भूना से टोहाना जा रही एक निजी बस गांव भोडी के पास अनियंत्रित होकर खेतों में पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को बस से बाहर निकाला। सभी घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल टोहाना में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों और बस में सवार यात्रियों ने चालक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यात्रियों का कहना है कि चालक शुरू से ही तेज रफ्तार में बस चला रहा था और उसकी ड्राइविंग संदिग्ध लग रही थी। यात्रियों के अनुसार, जैसे ही बस गांव भोडी के पास एक मोड़ पर पहुंची, चालक ने अचानक तेज गति में बस मोड़ दी। इससे बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से उतरकर खेतों में पलट गई। कुछ यात्रियों ने आरोप लगाया कि चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच की जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले तीन लोगों में एक महिला भी शामिल है। समाचार लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई थी।

रौशन आनंद को जमानत के बाद खान ग्लोबल कोचिंग सेंटर अचानक बंद, छात्र हुए परेशान

पटना,एजेंसी। ज्ञान बिंदू जीएस अकादमी के निदेशक रौशन आनंद को जमानत मिलने के बाद पटना में अचानक खान ग्लोबल कोचिंग सेंटर को बंद किया गया है। सूचना नहीं मिलने पर खान कोचिंग सेंटर के कई छात्र वहां पहुंचे, लेकिन कोचिंग बंद होने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा है। छात्रों का कहना है कि यह विवाद पूरी तरह खत्म होना चाहिए। एक छात्र दानिश ने बताया कि उन्होंने मैसेज मोबाइल फोन बंद होने की वजह से नहीं देख पाए। कोचिंग सेंटर आने पर बंद की जानकारी मिली। अन्य छात्र भी, जिन्होंने मैसेज नहीं देखा, वे भी यहां आ रहे हैं। छात्र ने कहा कि यह जानकारी दी गई कि कोचिंग को क्यों बंद रखा गया है। छात्र ने यह भी कहा कि ये कोचिंग संचालकों का विवाद जल्द खत्म होना चाहिए, जिससे उनके पढ़ाई में परेशानी न हो सिलेबस पीछे होता जा रहा है। सभी यहां तेज धूप में पढ़ने के लिए आते हैं, मगर विवाद के कारण पढ़ाई प्रभावित होने से उन्हें नुकसान है।

केरल में प्रियदर्शिनी योजना शुरू

महिलाओं और ट्रांसजेंडर को मुफ्त बस यात्रा

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार ने अपने प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करते हुए सोमवार को प्रियदर्शिनी योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत राज्यभर की साधारण रोडवेज बसों में महिलाएं और ट्रांसजेंडर मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने यहां थम्पानूर रोडवजे बस टर्मिनल में आयोजित एक कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित कर इस महत्वपूर्ण योजना की शुरुआत की और कहा कि कामकाजी गरीब महिलाओं को इस पहल से काफी लाभ मिलेगा। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के अलावा परिवहन मंत्री सी.पी. जॉन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री केए तुलसी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके बाद उन सभी ने महिला यात्रियों के साथ थम्पानूर बस स्टॉप से सचिवालय तक रोडवेज बस में सफर किया। उद्घाटन समारोह से पहले सुबह पेरुमथुरा जाने वाली एक बस को गुब्बारों से सजाकर थम्पानूर बस टर्मिनल पर लाया गया। इस मौके पर बस चलाने और टिकट वितरण का काम महिला कर्मचारियों ने ही संभाला। मुख्यमंत्री ने इससे पहले फेसबुक पर पोस्ट कर कहा, यह जनता से किए गए वादे को पूरा करने के लिए है। हालांकि, विपक्षी दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने इस समारोह से दूरी बनाए रखी और आरोप लगाया कि सरकार ने पहले चरण में रियायत को केवल साधारण रोडवेज सेवाओं तक सीमित कर अपने चुनावी वादे को कमजोर कर दिया है। यह सुविधा राज्य परिवहन निगम द्वारा संचालित सभी 3,125 साधारण बसों में उपलब्ध होगी। सरकार ने कहा कि यह पहल उन महिलाओं और ट्रांसजेंडर पर आर्थिक बोझ कम करने के उद्देश्य से है जो काम, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं।

कर्नाटक में धोखाधड़ी रोकने को सख्त होंगे नियम

बंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार की गारंटी योजनाएं असली लाभार्थियों के लिए हैं और बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धोखाधड़ी और दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रियाएं लागू की जा रही हैं। गारंटी कार्यक्रमों को लागू करने पर चर्चा करते हुए शिवकुमार ने कहा कि विपक्ष का काम सरकार की आलोचना करना है। उन्होंने कहा कि सरकार को अच्छी तरह पता था कि विपक्ष के पास पेश करने के लिए कुछ भी सकारात्मक नहीं है, और साथ ही कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा राज्य सरकार कई ऐसी पहल लागू कर रही है जिन्हें पिछली सरकारें लागू नहीं कर पाई थीं। हालाँकि, उन्होंने माना कि इसके गलत इस्तेमाल के मामले भी सामने आए हैं, जैसे गलत तस्वीरें अपलोड करना, नकली मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल और फायदों का गलत बैंक खातों में भेजा जाना।

नफरत खत्म करने का मौका देती है अमरनाथ यात्रा : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर,एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा करना कश्मीरियों का फर्ज है और यह बढ़ती नफरत एवं ध्रुवीकरण के इस दौर में सद्भाव बनाने का एक अवसर भी है।

हिमालय की दक्षिण कश्मीर स्थित पर्वत शृंखला में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर की 57–दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होने वाली है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा पहलगाम में स्थानीय आतिथ्य क्षेत्र के हितधारकों से मिलने पहुंचीं, जहां उन्होंने कहा, यात्रा पूरे भारत में नफरत खत्म करने का हमारा अवसर है। यात्रा की सुरक्षा करना हमारा फर्ज है, यह केवल सुरक्षाबलों की जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा, अमरनाथ यात्रा पर आने वाला हर तीर्थयात्री कश्मीर का मेहमान है। वे हमारी धरती, हमारे लोगों और हमारी मेहमाननवाजी की कहानी भारत के कोने–कोने तक ले जाते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि वे हमारे स्नेह और मेहमाननवाजी की यादें लेकर जाएं। इसी से हम कश्मीर की आत्मा की रक्षा करते हैं और मुसलमानों के खिलाफ गढ़े गए झूठे विमर्श का जवाब देते हैं। महबूबा ने कहा कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों की ही नहीं, बल्कि कश्मीर के हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, बढ़ती नफरत और ध्रुवीकरण के इस दौर में यात्रा को सद्भाव बनाने, इंसानी रिश्तों को मजबूत करने और पूरे भारत में दूरियां पाटने का अवसर बनना चाहिए। पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि यात्री राजदूत की भूमिका निभाते हैं, जो कश्मीर में अपना अनुभव अपने घरों और समुदायों तक ले जाते हैं। उन्होंने कहा, हर मुलाकात कश्मीर की आतिथ्य, करुणा और सह–अस्तित्व की परंपराओं को दिखाने का मौका है।

पेट्रोलियम मंत्रालय बोला- देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद, न घबराएं

नई दिल्ली,एजेंसी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और स्थिर बनी हुई है। सरकार ने लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और जरूरत से ज्यादा ईंधन खरीदने से बचने की अपील की है। मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई में किसी तरह की कमी नहीं है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। सुजाता शर्मा ने बताया कि हाल के दिनों में कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन की बिक्री सामान्य से ज्यादा देखी गई है। हालांकि इसका कारण किसी तरह की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि कई औद्योगिक, संस्थागत, वाणिज्यिक और प्रत्यक्ष उपभोक्ता अब अपनी ईंधन जरूरतों के लिए सीधे सप्लाई चौनल की बजाय खुदरा पेट्रोल पंपों से खरीदारी कर रहे हैं।

इसी वजह से कुछ रिटेल आउटलेट्स पर बिक्री के आंकड़े बढ़े हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में ईंधन की उपलब्धता पर्याप्त है और आम लोगों को पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कमी को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार और तेल कंपनियां आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रही हैं। वहीं, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि एलएनजी वाहक पोत दिशा 62,370 मीट्रिक टन एलएनजी कार्गो लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से पार कर चुका है।

आरटीआई एक्टिविज्म पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

यह नया व्यवसाय बन गया है

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत सक्रियता को ष्एक नया व्यवसायष करार देते हुए एक आरटीआई कार्यकर्ता और सड़क निर्माण कार्य में सरकारी कर्मचारी को बाधा पहुंचाने के आरोपी अन्य लोगों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने आरटीआई एक्टिविस्ट राकेश कुमार बहल और उनके सहयोगी को जमानत देने से इनकार कर दिया और सड़क निर्माण के काम की निगरानी करने के उनके अधिकार पर भी सवाल उठाए। जस्टिस मेहता ने कहा, आरटीआई सक्रियता लोगों के बीच एक नया व्यवसाय बन गया है। केंद्र सरकार ने फंड जारी किया है, वही सड़क निर्माण का ध्यान रखेगी। आप कोई नहीं हैं। तथाकथित आईटीआई एक्टिविस्ट! येलो जर्नलिज्म... याचिका खारिज। जस्टिस मेहता की राय से सहमत होते हुए जस्टिस बिश्नोई ने कहा, इन सभी सड़कों के निर्माण की निगरानी करने वाले आप कौन हैं? क्या आप कोई उच्च अधिकारी हैं या क्या हैं? बहल ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। उनके वकील ने तर्क दिया कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है क्योंकि उन्होंने सड़क निर्माण कार्य में शामिल भ्रष्टाचार को उजागर किया था।

एफआईआर के अनुसार, बहल ने एक अन्य आरोपी राजीव कुमार उर्फ मिंटू के साथ मिलकर पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में बाधा डाली और उस शिकायतकर्ता को भी धमकाया जिसकी देखरेख में काम हो रहा था और साइट पर मौजूद मजदूरों को भी डराया–धमकाया। उन्होंने मजदूर के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और शिकायतकर्ता को चोट भी पहुंचाई। उनके खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 304(2), 132, 221, 121(1), 351(2), 351(3) (बीएनएस 2023 की धारा 3(5), 121(2) और एससीएसटी एक्ट की धारा 3(1)) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

ग्राम रोजगार सेवकों का प्रदर्शन, राज्य कर्मचारी के दर्जे सहित 5 सूत्रीय मांगें शामिल

प्रयागराज। ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर आज जिला मुख्यालय प्रयागराज में ग्राम रोजगार सेवकों ने अपनी विभिन्न लंबित एवं महत्वपूर्ण मांगों को लेकर धरना–प्रदर्शन किया।

ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर सोमवार को कलेक्ट्रेट पर ग्राम रोजगार सेवकों ने अपनी विभिन्न लंबित एवं महत्वपूर्ण मांगों को लेकर धरना–प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित एक मांगपत्र प्रेषित किया गया, जिसमें उन्हें राज्य कर्मचारी का दर्जा दिए जाने सहित पांच प्रमुख मांगें शामिल थीं।

एसोसिएशन ने प्रमुख रूप से ग्राम रोजगार सेवकों को राज्य कर्मचारी का दर्जा प्रदान किए जाने, सम्मानजनक मानदेय में वृद्धि करने, प्रत्येक माह समय से मानदेय भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पृथक बजट व्यवस्था किए जाने, चार अक्तूबर 2021 को मुख्यमंत्री द्वारा ग्राम रोजगार सेवकों के हित में की गई घोषणाओं को तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने तथा मनरेगा योजना के बदलते स्वरूप में लागू होने जा रही वीडीवीजी रामजी योजना में ग्राम रोजगार सेवकों की भूमिका को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाए जाने की मांग की। संघ के जिलाध्यक्ष अरुण यादव ने इस अवसर पर कहा कि ग्राम रोजगार सेवक विगत 19 वर्षों से ग्रामीण विकास एवं मनरेगा योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें आज भी पर्याप्त मानदेय, सामाजिक सुरक्षा एवं सेवा संबंधी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। उन्होंने सरकार से उनकी समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया।

इस अवसर पर श्याम सूरत पांडेय, राकेश पटेल, विजय चंद्र विश्वकर्मा, सुनील तिवारी, हरिओम प्रकाश, अशोक सिंह, फूल सागर यादव, सुमन सरोज, मान सिंह, अनिल पांडेय, संगम लाल यादव, रामलाल रत्नाकर, रोहित सिंह, विनय कुमार, संदीप सिंह, तारा पटेल, अरविंद यादव, राजीव कुमार, विष्णु स्वर्णकार, नूरुद्दीन, अजय कुमार, चिंतामणि शर्मा, वीरेन्द्र गौतम, सुनील कुमार, पंकज सिंह, लक्ष्मी शंकर, रवीन्द्र कुमार, महेंद्र यादव, सचिन कुमार सहित सैकड़ों रोजगार सेवक व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

करेली में डिलीवरी बॉय की सड़क हादसे में मौत, ओवरटेक करते समय हुआ हादसा

प्रयागराज। करेली में 60 फीट रोड के पास रविवार दोपहर स्कूटी की चपेट में आने से बाइक सवार डिलीवरी बॉय वीर जैन (19) की सड़क हादसे में मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ओवरटेक करने के दौरान हादसा हुआ।

करेली में 60 फीट रोड के पास रविवार दोपहर स्कूटी की चपेट में आने से बाइक सवार डिलीवरी बॉय वीर जैन (19) की सड़क हादसे में मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ओवरटेक करने के दौरान हादसा हुआ। राजरूपपुर में वीर जैन परिवार समेत रहता था। रविवार दोपहर 1रू30 बजे 60 फीट रोड के पास उसने स्कूटी को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान उसकी बाइक स्कूटी से टकरा गई और उसके सिर पर गंभीर चोट लग गई। उसे अस्पताल पहुंचाया पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

परीक्षा खत्म होते ही प्रयागराज जंक्शन पर उमड़ी परीक्षार्थियों की भीड़

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश प्रवक्ता भर्ती परीक्षा संपन्न होने के बाद रविवार को प्रयागराज जंक्शन पर परीक्षार्थियों की भीड़ पहुंच गई। स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्मों पर पैर रखने की जगह नहीं बची। खासकर सूरत (उधना) की तरफ जाने वाली स्पेशल ट्रेन में सवार होने के लिए परीक्षार्थियों में खासी कशमकश देखने को मिली। हालांकि, प्रयागराज से कोई स्पेशल ट्रेन चलाने की नौबत नहीं आई। उत्तर प्रदेश प्रवक्ता भर्ती परीक्षा संपन्न होने के बाद रविवार को प्रयागराज जंक्शन पर परीक्षार्थियों की भीड़ पहुंच गई। स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्मों पर पैर रखने की जगह नहीं बची। खासकर सूरत (उधना) की तरफ जाने वाली स्पेशल ट्रेन में सवार होने के लिए परीक्षार्थियों में खासी कशमकश देखने को मिली। हालांकि, प्रयागराज से कोई स्पेशल ट्रेन चलाने की नौबत नहीं आई। रविवार दोपहर प्रथम पाली की परीक्षा खत्म हुई तो उज्जैन और इंदौर की तरफ जाने वाली डॉ. अंबेडकरनगर एक्सप्रेस में सफर करने के लिए काफी परीक्षार्थी प्लेटफॉर्म पर जुट गए। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने यात्रियों को कतारबद्ध कराया और उन्हें ट्रेन में चढ़ाया।

उधर, शाम को जब दूसरी पाली की परीक्षा छूटी तो स्टेशन पर एक बार फिर से भीड़ का दबाव बढ़ गया। शाम सात बजे रवाना होने वाली उधना स्पेशल ट्रेन में पैर रखने तक की जगह नहीं बची। इस ट्रेन में अभ्यर्थियों की सबसे ज्यादा भीड़ दर्ज की गई। उत्तर मध्य रेलवे के मंडल जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि परीक्षार्थियों की सहूलियत के लिए कानपुर सेंट्रल से झांसी और प्रयागराज के लिए पहले परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। वहीं, रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बसों में यात्रियों की संख्या पूरी तरह नियंत्रित रही। ऑन डिमांड बसें चलाने की जरूरत नहीं पड़ी।

प्रयागराज में गर्मी का प्रचंड प्रकोप, तापमान 42 डिग्री के पार, उमस से हाल बेहाल

प्रयागराज। प्रयागराज में मानसून की दस्तक से पहले गर्मी एक बार फिर तेवर दिखाने लगी है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचने और उमस बढ़ने की चेतावनी जारी की है। बारिश की संभावना न होने से लोगों को दिन के साथ रात में भी गर्मी की दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है। पिछले कुछ दिनों तक तेज हवाओं, बादलों की आवाजाही और छिटपुट बूंदाबांदी के कारण लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली थी। तापमान में गिरावट आने के साथ मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना हुआ था, लेकिन अब मौसम का मिजाज फिर बदलने लगा है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी और उमस दोनों का असर बढ़ेगा। मौसम विभाग ने बताया है कि 17 जून से 20 जून तक अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में भी विशेष कमी नहीं आएगी, जिससे रात के समय भी लोगों को राहत मिलने की उम्मीद कम है। विभाग का कहना है कि वातावरण में नमी यानी आर्द्रता बढ़ने से उमस का स्तर काफी अधिक रहेगा। ऐसे में वास्तविक तापमान से अधिक गर्मी महसूस हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार हवा में नमी बढ़ने के कारण पसीना जल्दी नहीं सूखता, जिससे शरीर को ठंडक नहीं मिल पाती और उमस का प्रभाव अधिक महसूस होता है। यही कारण है कि दिन के साथ–साथ रात में भी बेचैनी बनी रह सकती है। मौसम विभाग ने फिलहाल 20 जून तक बारिश की कोई विशेष संभावना नहीं जताई है।

मादा तेंदुआ और उसके दो शावक दिखने से मचा हड़कंप, सीसीटीवी में कैद हुई गतिविधि

झूंसी (प्रयागराज)। झूंसी में फिर एक बार तेंदुआ दिखने से हड़कंप मच गया है। इस बार मादा तेंदुआ और उसके दो शावकों की गतिविधि हवेलिया वार्ड में लगे एक सीसीटीवी में कैद हुई। इसके बाद वन विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है, साथ ही सर्च आपरेशन चलाने की तैयारी शुरू कर दी है।

झूंसी में फिर एक बार तेंदुआ दिखने से हड़कंप मच गया है। इस बार मादा तेंदुआ और उसके दो शावकों की गतिविधि हवेलिया वार्ड में लगे एक सीसीटीवी में कैद हुई। इसके बाद वन विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है, साथ ही सर्च आपरेशन चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। लोगों से शाम और रात में बेवजह घर से बाहर निकलने की सलाह दी गई है। झूंसी के हवेलिया वार्ड में मादा तेंदुआ और उसके दो शावक शनिवार की देर रात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। इससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। झूंसी के वार्ड नं 52 हवेलिया क्षेत्र स्थित लक्कड़ बाबा मंदिर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में एक मादा तेंदुआ और उसके दो शावक दिखाई देने की सूचना सामने आने के बाद इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

कैमरे के वीडियो में समय और तारीख भी दिखाई दे रही है। वन विभाग ने स्थानीय लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है। अपील की है कि अपने सारे कार्य दिन के समय ही निपटाने का प्रयास करें तथा शाम और रात में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें। बच्चों को अकेले बाहर न भेजें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।

पहली बार धनैचा में दिखा था तेंदुआ

प्रयागराज के गंगापार क्षेत्र में लगभग छह माह से ग्रामीणों के बीच दहशत का कारण बना तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के लंबे अभियान के बाद पकड़ा गया था। यह तेंदुआ झूंसी, हनुमानगंज, मलखानपुर और आसपास के गांवों में कई बार देखा गया था, जिसके कारण ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। वन विभाग के अनुसार अगस्त 2025 में सबसे पहले हनुमानगंज क्षेत्र के मलखानपुर धनेचा गांव में तेंदुए के देखे जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद कई दिनों तक उसकी तलाश की गई। वन विभाग ने थर्मल ड्रोन, पिंजरे और विशेषज्ञ टीमों की मदद से खोज अभियान चलाया, लेकिन तेंदुआ पकड़ में नहीं आया।

आठ जनवरी को छिबैया में पकड़ा गया

इस दौरान तेंदुए के कई बार गांवों के आसपास घूमने और लोगों तथा पशुओं पर हमला करने की घटनाएं सामने आईं। ग्रामीणों ने रात में घरों से निकलना कम कर दिया और खेतों में जाने से भी डरने लगे। वन विभाग ने कई स्थानों पर पिंजरे लगाए और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। आठ जनवरी 2026 को हनुमानगंज क्षेत्र के छिबैया गांव में तेंदुआ एक घर में घुस गया। इससे पहले उसने दो ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। घर के लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और परिवार के अन्य सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलने पर वन विभाग, पुलिस और पीएसी की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब नौ से दस घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद तेंदुए को बेहोश कर सुरक्षित पकड़ लिया गया।

आठ जनवरी को छिबैयां से पकड़ा गया था तेंदुआ

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ पूर्ण विकसित नर था और उसकी उम्र लगभग सात से आठ वर्ष आंकी गई। तेंदुए के पकड़े जाने के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली और प्रशासन की कार्रवाई की सराहना की, लेकिन कुछ दिन बाद फिर हरीश चंद्र शोध संस्थान (एचआरआई) कैंपस में तेंदुआ के दिखने से लोग दहशत में रहे। एक बार तो वह निदेशक की गाड़ी के आगे कूद गया। वन विभाग के अनुसार यही तेंदुआ अगस्त 2025 से गंगापार के कई गांवों कोटवा, लीलापुर, सुदनीपुर, जमुनीपुर और बहादुरपुर क्षेत्र में घूम रहा था। लगभग छह महीने तक लोगों में दहशत फैलाने के बाद आठ जनवरी 2026 को झूंसी क्षेत्र के छिबैया गांव में एक घर में घुसने पर उसे सुरक्षित पकड़ लिया गया था।

झूंसी इलाके में कब कब दिखा तेंदुआ

अगस्त 2025 में मलखानपुर धनैचा हनुमानगंज में पहली बार तेंदुआ दिखाई दिया।

11 अगस्त 2025 सुदनीपुर, हनुमानगंज तेंदुआ गांव में घुसा और बकरी के बच्चे पर हमला किया।

अगस्त–सितंबर 2025 में धनैचा में एक ग्रामीण राजेंद्र प्रसाद पर पंजे से हमला किया।

अगस्त–सितंबर 2025 लीलापुर में ग्रामीणों ने तेंदुए को देखे जाने की सूचना दी।

अगस्त–सितंबर 2025 सुदनीपुर कला में बकरी का शिकार किया गया, तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

अगस्त–सितंबर 2025 देवकली में तेंदुआ देखे जाने की सूचना।

अगस्त–सितंबर 2025 चौरा बढेरा (सैदाबाद) में तेंदुए के देखे जाने की सूचना मिली।

अगस्त–सितंबर 2025 गनेशीपुर (हंडिया) में ग्रामीणों ने तेंदुआ देखने का दावा किया।

आठ सितंबर 2025 जमुनीपुर, हनुमानगंज में धान के खेत में छिपे तेंदुए ने तारा बिंद सहित कई ग्रामीणों पर हमला किया, एक व्यक्ति घायल हुआ।

11–13 अक्तूबर 2025 को झूंसी स्थित एचआरआई परिसर में कई बार तेंदुआ दिखाई दिया, वन विभाग ने सर्च ऑपरेशन चलाया।

आठ जनवरी 2026 को झूंसी के छिबैयां में तेंदुआ एक घर में घुस गया, दो लोग घायल हुए, लगभग 10 घंटे के अभियान के बाद पकड़ा गया।

घर की चौखट पर बहाया जा रहा विश्वास का लहू, कहीं भाई तो कहीं पुत्र बना कातिल

प्रयागराज। जिले में बढ़ते अपराध के बीच एक चिंताजनक तथ्य सामने आया है। पिछले छह माह में हुईं 27 हत्याओं में से 17 मामलों में हत्यारोपी कोई बाहरी नहीं, बल्कि परिवार और रिश्तेदारी से जुड़े लोग ही निकले। कहीं संपत्ति विवाद में भाई ने जान ले ली। जिले में बढ़ते अपराध के बीच एक चिंताजनक तथ्य सामने आया है। पिछले छह माह में हुईं 27 हत्याओं में से 17 मामलों में हत्यारोपी कोई बाहरी नहीं, बल्कि परिवार और रिश्तेदारी से जुड़े लोग ही निकले। कहीं संपत्ति विवाद में भाई ने जान ले ली। कहीं पति–पत्नी, पिता–पुत्र और अन्य पारिवारिक रिश्तों के बीच उपजे विवाद खूनी संघर्ष में बदल गए।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, दिसंबर 2025 से 13 जून 2026 तक जिले में हत्या की 27 वारदात दर्ज की गईं। इनमें अधिकतर मामलों की जांच में घरेलू कलह, पारिवारिक विवाद, अवैध संबंधों को लेकर तनाव, संपत्ति बंटवारा और आपसी रंजिश हत्या की मुख्य वजह बनकर सामने आई है।

हाल ही में साउथ मलाका में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य के परिवार के चार लोगों की हत्या ने पूरे जिले को झकझोर दिया। इसमें तीन हत्याओं का आरोप परिवार के बेटे पर है। इसके बाद कर्नलगंज में बेटे ने

सिर्फ इस बात पर पिता रामदुलारे कोरी की हत्या कर दी कि भरण–पोषण नहीं देना पड़ेगा। भावनाओं से ओतप्रोत ऐसे रिश्तों के कत्ल की मानसिकता के पीछे उपजे सवालों के जवाब खोज पाना समाजशास्त्रियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो रहा है। पुलिस अफसरों का कहना है कि अधिकतर मामलों में आरोपी पीड़ित के करीबी रिश्तेदार या परिचित रहे हैं।

पारिवारिक रिश्तों में संवाद की कमी– डॉ. ईशान्या

नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. ईशान्या राज का कहना है कि पारिवारिक रिश्तों में संवाद की कमी बढ़ी है। सहनशीलता और आत्मसंतोष में लगातार गिरावट आ रही रही है। आर्थिक दबाव और लालच का स्तर बढ़ा है। इन सभी कारणों से इन्सान में तनाव बढ़ता है। छोटी–छोटी बातों पर होने वाले विवाद समय रहते नहीं सुलझते और कई बार गंभीर रूप ले लेते हैं। उनका कहना है कि परिवारों में आपसी बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव कम होने से रिश्तों में दूरियां बढ़ रही हैं। इसका असर सामाजिक व्यवहार पर भी पड़ रहा है।

केस–एक

जनवरी 2026 को मऊआइमा के लोकापुर बिसानी गांव में नए साल की शुरुआत में प्रयागराज तिहरे हत्याकांड से दहल उठा। युवक ने जमीन के बंटवारे के विवाद में पिता, बहन और भांजी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। वारदात के बाद शवों को कुएं में फेंक दिया।

केस–दो

जून 2026 में साउथ मलाका में लूटपाट के लिए कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता, बेटी मीनाक्षी को बेटे अभिषेक ने लोहे की रॉड से मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद बंटवारे में गड़बड़ी करने पर अभिषेक के दोस्त ने उसकी ही हत्या कर दी थी।

केस–तीन

जून 2026 में ही कर्नलगंज के विश्वविद्यालय पुलिस चौकी के पास छोटे बेटे अखिलेश ने पिता रामदुलारे कोरी (70) की गोली मारकर हत्या कर दी। पिता के सीने में तमंचा सटाकर गोली मार रहे बेटे की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पिता को भरण–पोषण का खर्च देने से बचने के लिए हत्या की वजह सामने आई थी।

वेटरन बैडमिंटन में भावना, दीपिका, मधु व नीलम की खिताबी जीत

प्रयागराज। देवेंद्र नाथ स्मारक प्रथम यूपी स्टेट मास्टर (वेटरन) बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला वर्ग के अलग–अलग आयु वर्ग में रविवार को भावना, दीपिका, मधु व नीलम ने अपने–अपने खिताबी मुकाबले जीत लिए। देवेंद्र नाथ स्मारक प्रथम यूपी स्टेट मास्टर (वेटरन) बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला वर्ग के अलग–अलग आयु वर्ग में रविवार को भावना, दीपिका, मधु व नीलम ने अपने–अपने खिताबी मुकाबले जीत लिए। महिला एकल 35 वर्ष आयु वर्ग के फाइनल में उत्तर प्रदेश पुलिस (यूपीपी) की भावना बलियान ने आशा गौर (अयोध्या) को हराया। महिला एकल 40 वर्ग के फाइनल में दीपिका यादव (गाजियाबाद) ने रानी सुनीता (जालौन) को, महिला एकल 45 वर्ग में मधु ज्ञानचंदानी (लखनऊ) ने अनुराधा शर्मा (गाजियाबाद) को और महिला एकल 50 वर्ग के फाइनल में नीलम सिंह (वाराणसी) ने निधि कनौजिया (कानपुर) को हराया। वहीं, महिला युगल 50 वर्ग फाइनल में कल्पना सिंह/नीलम सिंह (लखनऊ/वाराणसी) की जोड़ी ने निधि कनौजिया/सुनीता यादव (कानपुर/यूपीपी) को पराजित किया। पुरुष एकल 55 वर्ग के फाइनल में धर्मेंद्र शर्मा (जौनपुर) ने अरुण कुमार (मेरठ) को, पुरुष एकल 65 वर्ग में कानपुर के गुरुचरण सिंह ने पंकज गुप्ता

को और 70 वर्ग में वीके मालिक (मेरठ) ने राजीव एडगर (कानपुर) को पराजित किया। पुरुष युगल के 70 वर्ग की खिताबी भिड़ंत में हसन कमाल आब्दी/वीके मालिक (लखनऊ/मेरठ) ने आरबी मिश्र/राजीव एडगर (कानपुर) की जोड़ी को, पुरुष युगल के 60 वर्ग में दिनेश कपूर/एसके मिश्र (प्रयागराज/वाराणसी) ने हिमांशु गोयल/मृदुल बत्रा (गाजियाबाद/ बरेली) को और 65 वर्ग में गुरुचरण सिंह/पंकज गुप्ता (कानपुर) ने अनिल कुमार भटनागर/आरएन सरकार (नोएडा/वाराणसी) को हराया।

इसके अलावा पुरुष युगल के 50 वर्ग में आगरा के अजय कुमार महाजन/यशवर्धन मेहता ने अनिल श्रीवास्तव/अनुराग शर्मा (उन्नाव/प्रयागराज) को और 55 वर्ग में अरुण कुमार/धर्मेंद्र शर्मा (मेरठ/जौनपुर) ने लखनऊ के अनिल कुमार अग्रवाल/शिशिर की जोड़ी को पराजित कर खिताबी मुकाबला अपने नाम किया। महिला युगल के 40 वर्ग में फाइनल में दीपिका यादव/रानी सुनीता (गाजियाबाद/जालौन) ने गाजियाबाद की प्रीति त्यागी/शबनम की जोड़ी को पराजित किया।

मिश्रित युगल के फाइनल मुकाबलों के परिणाम

मिश्रित युगल के 40 वर्ष आयु वर्ग के फाइनल में डीबी थापा/दीपिका यादव (बरेली/गाजियाबाद) ने कादिम अली/रानी सुनीता (यूपीपी/जालौन), 35 वर्ग में यूपीपी के अखिलेश यादव/भावना बलियान ने अयोध्या के यशार्थ ओझा/आशा गौर, 45 वर्ग में सी. जॉन/अनुराधा शर्मा (प्रयागराज/गाजियाबाद), 50 वर्ग में अनुराग शर्मा/नीलम सिंह (प्रयागराज/वाराणसी) ने अनिल श्रीवास्तव/कल्पना सिंह (उन्नाव/लखनऊ) की जोड़ी को पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

आसान जीत के साथ खिताबी दौर में प्रयागराज के अभिन्न

बुजुर्ग की हत्या से दो दिन पहले दुकान से लापता हो गया था आरोपी

प्रयागराज। रामदुलारे कोरी हत्याकांड मामले में प्राथमिक जांच में पता चला कि आरोपी अखिलेश तेलियरगंज स्थित एक दुकान पर बाइक मैकेनिक था। घटना से दो दिन पहले वह दुकान पर जाना बंद कर दिया था। रामदुलारे कोरी हत्याकांड मामले में प्राथमिक जांच में पता चला कि आरोपी अखिलेश तेलियरगंज स्थित एक दुकान पर बाइक मैकेनिक था। घटना से दो दिन पहले वह दुकान पर जाना बंद कर दिया था। उधर बाइक सवार दूसरे आरोपी की भी पुलिस ने पहचान कर ली है। रविवार को पुलिस की एक टीम रामदुलारे कोरी के घर पहुंची लेकिन यहां पर ताला लटका हुआ था। घटना के 24 घंटे बाद भी मृतक रामदुलारे कोरी की पत्नी कलावती, बेटा राजकुमार, सुरेंद्र, वीरेंद्र, और बेटी ललिता अब भी घर से लापता हैं। उनके मोबाइल फोन बंद हैं, जिससे पुलिस का संदेह और गहरा गया है। पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद से परिवार के सभी सदस्य अपने घरों से लापता हैं। पुलिस को आशंका है कि परिवार शहर के बाहर चला गया है। दिल्ली समेत अन्य जगहों पर छिपने की आशंका है। दूसरी तरफ पुलिस दो बेटे जितेंद्र और शैलेंद्र से लगातार पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना कि पूछताछ के बाद ही पूरे घटनाक्रम की कई अहम कड़ी सामने आ सकती है।

दूसरे दिन भी बंद रहा फोन

घटना के बाद से सभी संदिग्धों के मोबाइल फोन बंद हैं। पुलिस यह भी पता लगा रही हैं कि वारदात के बाद आरोपी किन लोगों के संपर्क में रहे। कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मध्यस्थता सुनवाई का स्थान बदलने से न्यायिक अधिकारिता नहीं बदलेगी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी अनुबंध में मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) की सीट और संबंधित अदालतों का अधिकार क्षेत्र पहले से निर्धारित है तो केवल सुनवाई होने का स्थान बदलने से मध्यस्थता सीट की न्यायिक अधिकारिता नहीं बदलती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी अनुबंध में मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) की सीट और संबंधित अदालतों का अधिकार क्षेत्र पहले से निर्धारित है तो केवल सुनवाई होने का स्थान बदलने से मध्यस्थता सीट की न्यायिक अधिकारिता नहीं बदलती। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की एकल पीठ ने बीबी कोचटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर की। याची कंपनी ने कानपुर नगर की वाणिज्यिक अदालत में मध्यस्थता की सुनवाई का समय बढ़ाने की मांग में आवेदन दाखिल किया था। उसको इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि मध्यस्थता की कार्यवाही प्रयागराज में हुई है। ऐसे में मामले की सुनवाई का अधिकार क्षेत्र प्रयागराज की अदालत को है। याची ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि संबंधित कंपनी की शर्तों में स्पष्ट रूप से कानपुर नगर को मध्यस्थता का स्थान और कानपुर की अदालतों को विशेष अधिकारिता प्रदान की गई है। ऐसे में मध्यस्थता कार्यवाही के लिए समय सीमा बढ़ाने संबंधी आवेदन कानपुर की अदालत में दाखिल किया जाना पूरी तरह वैध है। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि पक्षकारों की सुविधा के लिए मध्यस्थता की कार्यवाही प्रयागराज में की गई थी। हालांकि, केवल सुनवाई का स्थान बदलने से अनुबंध में निर्धारित मध्यस्थता सीट नहीं बदल जाती। हाईकोर्ट ने माना कि कानपुर नगर को पक्षकारों ने जानबूझकर मध्यस्थता की सीट के रूप में चुना था। इसलिए इस विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई का अधिकार केवल कानपुर की अदालतों को ही है। इसी आधार पर न्यायालय ने वाणिज्यिक अदालत का आदेश निरस्त कर दिया। मामले को पुनः कानपुर नगर की वाणिज्यिक अदालत को भेजते हुए दो माह में नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया।

गणित के अंक प्रदर्शित न होने व परिणाम रोकने के मामले में पीएनपी पक्ष रखें: कोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि डीएलएड–2021 बैच के द्वितीय सेमेस्टर की बैक परीक्षा परिणाम में गणित के अंक प्रदर्शित नहीं करने और परिणाम रोकने के मामले में परीक्षा नियामक प्राधिकारी(पीएनपी) अपना पक्ष रखें। अगली सुनवाई जुलाई के तीसरे सप्ताह में होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने प्रयागराज की राधिका और चार अन्य की याचिका पर दिया है। अधिवक्ता ने दलील दी कि याची डीएलएड–2021 बैच के अभ्यर्थी हैं।

संक्षिप्त

प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह हत्याकांड में एसटीएफ की कार्रवाई, एक लाख का इनामी आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के पीजीआई क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की हत्या के मामले में एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ ने सोमवार तड़के आलमबाग बस स्टेशन के पास से हत्या की साजिश में शामिल एक लाख रुपए के इनामी आरोपी गंगाराम यादव को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक 27 मई 2026 को पीजीआई इलाके में प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में थाना पीजीआई में मुकदमा दर्ज कर एसटीएफ की विभिन्न टीमों को आरोपियों की तलाश में लगाया गया था। इससे पहले 31 मई को एसटीएफ मुख्य साजिशकर्ता समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि अन्य की तलाश जारी थी। एसटीएफ को मुखबिर से सूचना मिली कि मामले में वांछित और एक लाख रुपए का इनामी आरोपी गंगाराम यादव आलमबाग बस अड्डे के पास मौजूद है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गंगाराम यादव ने बताया कि उसने दिनेश कुमार यादव और उसके चालक मुकर्रबीन उर्फ मुबीन के कहने पर हत्या के लिए शूटरों की व्यवस्था कराई थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी हत्या की साजिश में अहम भूमिका निभाने वालों में शामिल है। गिरफ्तार आरोपी को पीजीआई थाने में दर्ज हत्या के मुकदमे में दाखिल कर दिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है। वहीं एसटीएफ अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

व्यक्ति ने लगाई फांसी,नीम के पेड़ पर लटका मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में 42 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव नीम के पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पूरा मामला काकोरी थाना क्षेत्र के बहरू गांव का है। मृतक की पहचान बहरू गांव निवासी संतू (42) पुत्र मगली के रूप में हुई है। ग्रामीण बताते हैं कि संतू गांव में अकेले रहते थे। उनकी पत्नी और पुत्र का काफी समय पहले निधन हो चुका था, जिसके बाद से वह अकेले रह रहे थे। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर एक नीम के पेड़ पर उनका शव फंदे से लटका देखा। सूचना मिलने पर काकोरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने ग्रामीणों से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। संतू द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पत्नी और पुत्र की मौत के बाद संतू लंबे समय से अकेले रह रहे थे। उनका कोई निकट परिजन भी नहीं था। इसी वजह से ग्रामीणों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया किया मानवीय आधार पर अंतिम संस्कार की अनुमति मांगी।

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का तीसरा दीक्षांत समारोह में पहुंची राज्यपाल

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का तीसरा दीक्षांत समारोह सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया गया। समारोह में पहुंची राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बीसी राय हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर पर गंदगी को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने एसीएस अमित कुमार घोष को भी इस पर ध्यान देने को कहा। राज्यपाल ने हॉस्टलों में सप्ताह में दो दिन नॉनवेज बनने पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि क्या यह जरूरी है? उन्होंने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य चिकित्सा राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह से कहा कि आप लोग अगले 15 दिन में संस्थान की व्यवस्था को दुरुस्त करिए। मैं 15 दिन बाद खुद मौके पर जाकर व्यवस्था को देखूंगी। इससे पहले समारोह में मेधावियों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। डायरेक्टर मेडल हरमन सिंह (एमबीबीएस 2020) को दिया गया, जबकि बेस्ट टीचर (फैकल्टी) अवॉर्ड डॉ. राजन भटनागर को मिला।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान,एक महीने पहले हुई थी शादी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के चिनहट थाना क्षेत्र में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। घर के कमरे में उसका शव छत के कुंडे से लटका मिला। बताया जा रहा है कि युवती की शादी एक महीने पहले ही हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, अंजलि वाल्मीकि (21) पुत्री सरोज वाल्मीकि, निवासी वाल्मीकि मोहल्ला, चिनहट ने रविवार रात अपने घर में छत के कुंडे से दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही चिनहट पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि अंजलि का विवाह 6 मई 2026 को अंशु वाल्मीकि निवासी लवकुश नगर, सेक्टर–22, थाना गाजीपुर के साथ हुआ था। वह 28 मई को ससुराल से मायके आई हुई थी। रविवार रात उसने यह कदम उठा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विधान भवन में ब्रजेश पाठक के कार्यालय कक्ष में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट होने से लगी आग

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां स्थित विधान भवन के प्रथम तल पर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह आग प्रदेश के उपमुख्यमंत्री (डिप्टी सीएम) ब्रजेश पाठक के कार्यालय कक्ष में लगे एयर कंडीशनर (एसी) की यूनिट में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से लगी। आग लगने की भनक मिलते ही विधान भवन परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों में अफरा–तफरी मच गई। हालांकि, वहां मौजूद सतर्क कर्मचारियों ने बिना वक्त गंवाए तुरंत तत्परता दिखाई और अग्निशमन यंत्रों की मदद से समय रहते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। कर्मचारियों की इस सूझबूझ और मुस्तैदी की वजह से एक बड़ा हादसा होने से टल गया और आग को आगे फैलने से रोक लिया गया। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा अधिकारियों और तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

51वीं सालगिरह पर व्यासपीठ का सम्मान

विधायक जीतलाल पटेल व महासचिव समाज शेखर ने किया कथा व्यास का सम्मान

धाम के लिए लड़ते-लड़ते प्राण जाएं तो वो भी मोक्ष है- विजय कांत जी महाराज

सातवें दिन गोपियों के प्रेम की कथा से गूंजा भयहरणनाथ धाम

प्रतापगढ़। पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम में श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन भक्ति और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला।विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल जी व धाम के महासचिव समाज शेखर ने कथा व्यास भागवत भूषण पंडित विजय कांत जी महाराज का क्षेत्रीय समाज व प्रबन्ध समिति की ओर से अंग वस्त्र ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया। संयोगवश आज महाराज जी की विवाह की 51वीं शालगिरह भी थी। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर महाराज जी को दीर्घायु की शुभकामनाएं दीं। नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने भी कथा में शामिल होकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्री विजय कांत तिवारी जी ने सातवें दिन की कथा का सार उद्धव–गोपी संवाद को प्रेम की जीत के रूप में प्रस्तुत किया कि

कृष्ण के मथुरा जाने के बाद उद्धव गोपियों को ज्ञान–योग समझाने गए। गोपियों ने कहारू उद्धव जी, हमें शास्त्र नहीं, श्याम चाहिए।ß महाराज जी बोलेरू ष्उद्धव ज्ञान लेकर आए, गोपियां प्रेम देकर गईं। धाम की लड़ाई भी ज्ञान से नहीं, सच्चे समर्पण से जीती जाएगी।ß महाराज जी ने संदेश दिया कि कृष्ण ने कहा – मैंने मधुमक्खी से संग्रह न करना, समुद्र से धैर्य सीखा। ष्सत्याग्रह भी गुरु है। धाम की मुक्ति के लिए समुद्र जैसा धैर्य रखो।ß

महाराज जी ने कहा कि 7 दिन की कथा सुनकर राजा परिक्षित को मोक्ष मिला। ष्भागवत सुनने वाला मरता नहीं, मुक्त होता है। धाम के लिए लड़ते–लड़ते प्राण जाएं तो वो भी मोक्ष है। इसी कारण धाम का नाम

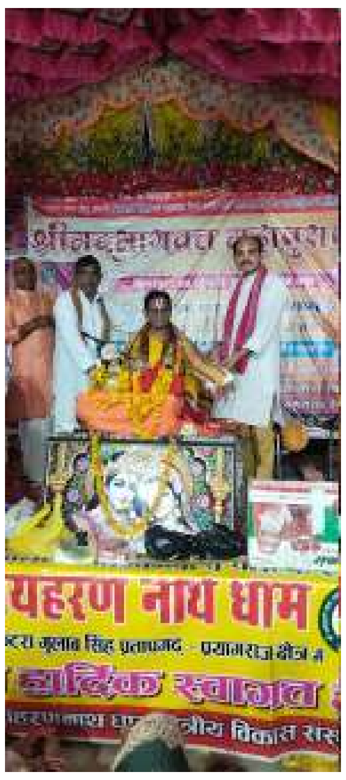

ष्भयहरणनाथ है – बाबा भय हरते हैं।

कथा समापन के बाद सर्वसम्मति से संरक्षक मंडल द्वारा निर्णय हुआ कि 16 जून मंगलवार को धाम की भोलेनाथ का सामूहिक पूजन व हवन किया जाएगा। कब्जा मुक्ति हेतु समाधान न होने तक सत्याग्रह जारी रहेगा। आगामी 21 जून को 15वां सामाजिक सत्याग्रह आयोजित होगा।

इस अवसर पर संरक्षक लालता प्रसाद मिश्र, देवी प्रसाद मिश्र, अशोक कुमार मिश्र, ओम प्रकाश सिंह, अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, उपाध्यक्ष डॉ अमर बहादुर सिंह, राजीव नयन मिश्र, सचिव राज किशोर मिश्र, कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज, विधि परामर्शी रमा शंकर मिश्र, मंदिर व्यवस्था सचिव मुरली पांडेय, मेला व्यवस्था उप संयोजक बुद्धि प्रकाश द्विवेदी, उप सचिव राम कृष्ण अग्रहरि, सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन वॉलीबाल प्रशिक्षण शिविर का हुआ रंगारंग समापन

प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रणाम पत्र व टीशर्ट वितरित किया गया

मेजा के क्षेत्रीय वॉलीबाल स्टेडियम में इक्कीस दिन तक कुशल व अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा सुबह-शाम प्रशिक्षण प्रदान कर खिलाड़ियों को किया गया प्रशिक्षित

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन प्रयागराज के तत्वाधान में स्थानीय मेजा तहसील के क्षेत्रीय वॉलीबाल स्टेडियम में फ्रेंड्स क्लब मेजा के सहयोग से निःशुल्क 21 दिवसीय 'ग्रीष्मकालीन वॉलीबाल प्रशिक्षण शिविर' का रंगारंग समापन समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। उक्त प्रशिक्षण शिविर में कुल बाईस प्रशिक्षणार्थीयों ने भाग लेकर वॉलीबाल खेल के गुण सीखें। मुख्य प्रशिक्षक आनंद यादव एवं मुकेश शुक्ला की देखरेख में इक्कीस दिनों तक सुबह एवं शाम दो–दो घंटे का गहन अभ्यास एवं खेल की बारीकियां सिखाई गई। समापन समारोह का आयोजन जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज के आजीवन सदस्य यज्ञ नारायण सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी),मेजा,कमिश्नरेट प्रयागराज श्री एस.पी.उपाध्याय जी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के उपरांत सभी बच्चों को प्रमाण पत्र व टी–शर्ट वितरित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला ओलंपिक संघ,प्रयागराज के उपाध्यक्ष पी. के.पांडेय की गरिमामयी उपस्थित रही। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, रोशन करेंगे। एसोसिएशन की ओर से प्रभाकर चौबे, रामस्नेही व देवेंद्र शुक्ला ने मा.मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत विशिष्ट अतिथि एवं अन्य आगंतुक अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से व्यापार मंडल के

प्रयागराज के महासचिव आर. पी.शुक्ला ने मा.मुख्य अतिथि महोदय का बुकें एवं स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र भेंटकर उनका अभिनन्दन करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि – आज के ये बच्चें कल के भविष्य है और उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की बधाई देते हुए आगे कहा कि बच्चें इन कुशल प्रशिक्षकों की देख–रेख में खेल के गुण व बारीकियों को सीखकर अपने जिला व प्रदेश का नाम किया। मुख्य अतिथि के समक्ष प्रशिक्षणार्थीयों द्वारा एक प्रदर्शन मैच खेला गया,जिसमें फोरआर्म्स पास, अपर हैंड पास, अंडर हैंड सर्विस आदि का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन मैच के दौरान संतोष कुमार सिंह एवं असफाक अहमद ने निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रशिक्षण शिविर के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर अस्पताल के डॉक्टरों की टीम के देखरेख में सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का निरूशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयोजन समिति की ओर से विनोद शुक्ला ने मुख्य अतिथि, अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय, जिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य विभाग कौशाम्बी प्रमोद कुमार शुक्ला, राकेश मिश्रा धर्मपुरा, एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष के.बी. एल.श्रीवास्तव, महेश सिंह एडवोकेट, दिनेश शुक्ला, शम्भू प्रजापति, विष्णु पटेल, अंकित विश्वकर्मा, रविशंकर गर्ग, तुंगनाथ शुक्ला, झल्लू प्रजापति, कल्लू शुक्ला, चंचल प्रजापति, विवेक शुक्ला, विमलेश शुक्ला, वैभव द्विवेदी, हरिओम मिश्रा, मौसम कुशवाहा, साधू शुक्ला व पीयूष द्विवेदी आदि खिलाड़ी व ग्रामवासी उपस्थित रहें।

अन्तर्राष्ट्रीय योग सप्ताह का हुआ शुभारम्भ

प्रयागराज। प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में 15 जून 2026 को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अखिलेश कुमार सिंह एवं अधिष्ठाता, कला संकाय प्रो० विवेक कुमार सिंह, अधिष्ठाता प्रो० आशुतोष सिंह, अधिष्ठाता सागर शुक्ल, श्री रितेश कुमार, संध्या सिंह, अभिषेक पाण्डेय, आशुतोष कुमार, प्रतिभा सिंह द्वारा विभिन्न योगासनों, प्राणायाम

उपलक्ष्य में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के सौजन्य से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह का शुभारंभ प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराजद्वारा मल्टी परपज हॉल में भव्य रूप से किया गया। इस अवसर पर विश्विद्यालय के कुलपति डॉ प्रो० राज कुमार गुप्ता तथा शिक्षक गण, कर्मचारी गण सामाजिक कार्यकर्ता, आध्यात्मिक साधक एवं बड़ी संख्या में योग प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के योग शिक्षक डॉ. मुकेश द्विवेदी एवं डॉ गंगाधर पांडेय, श्री प्रेम एवं योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। डॉ. अखिलेश कुमार सिंह जी ने योग के आध्यात्मिक एवं नैतिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संयमित, संतुलित एवं दिव्य बनाने की संपूर्ण जीवन–पद्धति है। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान समय में मानवता को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ मानसिक शांति और आध्यात्मिक जागृति की भी आवश्यकता है। योग व्यक्ति को आत्मबोध, आत्मविश्वास एवं परमात्मा से जोड़ने का सरल माध्यम प्रदान करता है। यदि योग और अध्यात्म को दैनिक जीवन का अंग बना लिया जाए तो परिवार, समाज और राष्ट्र में सद्‌भाव, नैतिकता एवं विश्वशांति की स्थापना संभव है।

मुख्य अतिथि ने सभी नागरिकों से अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह के कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर भाग लेने तथा योग को जन–जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन योग गुरु डॉ मुकेश द्विवेदी ने किया तथा कुलपति महोदय के उपस्थित जनसमूह को योग का अभ्यास कराया। इस अवसर पर लगभग दो सौ लोगों ने सामूहिक रूप से योग का अभ्यास कर स्वस्थ, सकारात्मक एवं आध्यात्मिक जीवन जीने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी, छात्र उपस्थित रहे।

अपराजिता

(कुण्डलिया)

कहते हैं अपराजिता, है गुण की वह खान।
शारीरिक हर रोग का, होता जहाँ निदान।
होता जहाँ निदान, बताते वैद्य चिकित्सक।
हर ग्रह का उपचार, करे यह बनकर रक्षक।
सुन लो कहें प्रदीप, देव का प्रिय यह बनके।
करते हैं कल्याण, हमेशा ऋषि मुनि कहते।

अति सुन्दर अपराजिता, मौसम के अनुकूल।
बगिया को शोभित करे, मनचाहा दे फूल।
मनचाहा दे फूल, लताएँ नाँचा करती।
उम्मीदों का भाव, हमेशा भरती रहतीं।
सुन लो कहें प्रदीप, न आँखो इनको कमतर।
जिनके नीले श्वेत, फूल लगते अति सुन्दर।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

डॉ. बशीर बद्र की याद में कवि सम्मेलन एवं मुशायरा संपन्न

प्रयागराज। न्यूज़ बुज़ के तत्त्वाधान में 13 जून को अदबघर करेली प्रयागराज में डॉक्टर बशीर बद्र की याद में कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन की अध्यक्षता जनाब जावेद शोहरत ने की तथा मुख्य अतिथि कानपुर से आई युवा शायरा अनीता अनुश्री रहीं तथा विशिष्ट अतिथि नगर के वरिष्ठ समाजिक कार्यकर्ता वजीर खान रहे। कार्यक्रम का संचालन शायर बख्तियार युसुफ ने किया। कार्यक्रम के संयोजक तहज़ीब लियाकत रहे। अतिथियों का स्वागत एवं आभार प्रभात 'आधारू ने किया। अतिथियों के द्वारा डॉ बशीर बद्र की शायरी के विभिन्न आयामों पर बहुत ही बारीकी से एक–एक बात कही

गई। कवि और शायरों ने भी डॉक्टर बशीर बद्र को याद करते हुए, अपने–अपने कलाम पढ़े। कलाम पढ़ने वालों में शाहिद सफ़र, फरमूद इलाहाबादी, डॉ प्रदीप चित्रांशी, शरत श्रीवास्तव, सेलाल इलाहाबादी, प्रकाश सिंह'अश्क़ के साथ अन्य कई वरिष्ठ एवं युवा शायरों ने अपने कलाम से श्रोताओं का मन मोह लिया।

चोरी का मुकदमा दर्ज नहीं होने पर विधानसभा के सामने आत्मदाह करने पहुंची मां-बेटी

लखनऊ (संवाददाता)। हददोई की रहने वाली मां–बेटी सोमवार को लखनऊ में विधानसभा के सामने आत्मदाह करने पहुंचीं। लेकिन पुलिस ने दोनों के हाथों से पेट्रोल से भरी बोतल छीन ली। हैं। पुलिस दोनों को हजरतगंज थाने ले गई। पूछताछ में बताया कि वह हरदोई के संडीला क्षेत्र की निवासी हैं। बेटी का कहना है कि चाचा ने घर में चोरी किया। बाद में मारपीट भी की। लेकिन संडीला पुलिस एफआईआर नहीं दर्ज कर रही है। वह पिछले एक महीने से संडीला थाने के चक्कर लगा रही हैं। इसलिए हमें न्याय के लिए लखनऊ आना पड़ा है। पुलिस ने दोनों को समझा–बुझाकर घर भेज दिया है। लखनऊ पहुंचने वाली मिथिलेश कुमारी, पत्नी स्वर्गीय देवदार, निवासी ग्राम ककरहिया मजरा भण्डोली, थाना संडीला, जनपद हरदोई की रहने वाली है।महिला का कहना है कि गांव के मकान में हुई चोरी और संपत्ति विवाद के मामले में स्थानीय स्तर पर सुनवाई नहीं हो रही है। खुद को असुरक्षित महसूस करने और न्याय नहीं मिलने से परेशान होकर वे अपनी बात शासन–प्रशासन तक पहुंचाने के लिए लखनऊ आई थीं। सोशल मीडिया पर सामने आए एक हस्तलिखित प्रार्थना पत्र में महिलाओं ने आरोप लगाया है कि उनके घर में चोरी हुई थी, विरोध करने पर मारपीट की गई और जहर देने तक की कोशिश की गई। उन्होंने स्थानीय पुलिस पर प्रभावशाली लोगों के दबाव में कार्रवाई नहीं करने का भी आरोप लगाया है। पत्र में मुख्यमंत्री, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। बताया जा रहा है कि पीड़ित पक्ष का कहना है कि स्थानीय पुलिस से कई बार गुहार लगाने के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। इससे परेशान होकर परिवार ने विधानसभा के सामने आत्मदाह जैसा कदम उठाने का प्रयास किया। हजरतगंज पुलिस के अनुसार दोनों महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। उनके आरोपों और दावों की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है तथा हरदोई पुलिस से संपर्क कर मामले के तथ्यों का सत्यापन कराया जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि दोनों महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और क्षेत्र में कानून–व्यवस्था सामान्य है। मामले में नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सदाकांत शुक्ला से जुड़ी कथित संपत्तियां जांच के घेरे में, सरकार से की कार्रवाई की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ निवासी सामाजिक एवं आरटीआई कार्यकर्ता उर्वशी शर्मा द्वारा सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सदाकांत शुक्ला के विरुद्ध की गई शिकायतों ने नया मोड़ ले लिया है। उत्तर प्रदेश शासन के नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग द्वारा शिकायतों के समर्थन में शपथपत्र मांगे जाने के बाद उर्वशी शर्मा ने विधिवत शपथपत्र प्रस्तुत करते हुए अपनी शिकायतों पर कार्रवाई की मांग दोहराई है। उर्वशी शर्मा ने नियुक्ति विभाग को भेजी गई शिकायत में पूर्व आईएएस अधिकारी सदाकांत शुक्ला के सेवा काल के दौरान लिए गए निर्णयों, प्रशासनिक कार्यों तथा उनसे जुड़े विभिन्न तथ्यों की जांच कराने का अनुरोध किया था। शिकायत के साथ संलग्न दस्तावेजों में सदाकांत शुक्ला, उनके परिजनों तथा कथित रूप से उनसे जुड़े व्यक्तियों के नाम से संबंधित 21 संपत्तियों और 4 कंपनियों का विवरण प्रस्तुत किया गया था, जिनकी जांच की मांग की गई है। मामले में महत्वपूर्ण प्रगति तब हुई जब नियुक्ति अनुभाग–5 ने शिकायतों के समर्थन में उर्वशी शर्मा से शपथपत्र मांगा। इसके जवाब में प्रस्तुत शपथपत्र में उर्वशी शर्मा ने कहा है कि पीजी पोर्टल पर दर्ज सभी शिकायतें उनके द्वारा ही की गई हैं तथा शिकायतों के साथ संलग्न किए गए दस्तावेज और विवरण जांच योग्य तथ्यों की ओर संकेत करते हैं। उन्होंने शासन से अनुरोध किया है कि शिकायतों में वर्णित संपत्तियों और कंपनियों की विस्तृत जांच कराई जाए तथा जांच में यदि कोई अनियमितता या अवैध संपत्ति अर्जन का मामला सामने आए तो विधिक एवं प्रशासनिक कार्रवाई की जाए।

सम्पादकीय.......

प्रजनन दर में गिरावट का एक नया गुनहगार स्मार्टफोन!

विशेषज्ञ लंबे समय से यह सोच रहे थे कि क्या फोन ने जन्म दर में गिरावट में कोई भूमिका निभाई है, जो 2007 में शुरू हुई थी, उसी वर्ष, जब एप्पल ने आईफोन पेश किया था लेकिन अब तक इसे साबित करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं था। दो नए शोध पत्र, जिनमें से एक गत सोमवार को और दूसरा मई में प्रकाशित हुआ, पहले ऐसे शैक्षणिक प्रयास हैं, जो यह जांचते हैं कि क्या स्मार्टफोन इसका एक कारण था?

ये पिछले 20 वर्षों में अमरीका और अन्य देशों में प्रजनन दर में आई व्यापक गिरावट को समझाने के सबसे हालिया प्रयास हैं। शोधकर्त्ता पहले ही गर्भनिरोधक के उपयोग, गर्भपात की दरों, महिलाओं के शिक्षा स्तर में वृद्धि और यहां तक कि लोकप्रिय टैलीविजन शो '16 एंड प्रैग्नैंट' पर भी गौर कर चुके हैं। यह साबित करना कि फोन के कारण यह गिरावट आई है, एक जटिल काम है। वैज्ञानिक साक्ष्यों के लिए सबसे बेहतरीन पैमाना 'रैंडम असाइनमैंट' के रूप में जाना जाता है। यह उन लोगों के परिणामों की तुलना करता है जिन्हें बेतरतीब ढंग से कोई ट्रीटमैंट (जैसे स्मार्टफोन मिलना) देने के लिए चुना जाता है, उन लोगों से जिन्हें वह नहीं मिलता। लेकिन घटती प्रजनन दर के कारणों का पता लगाने के मामले में ऐसा करना संभव नहीं है। इसलिए शोधकर्त्ताओं ने स्मार्टफोन के बारे में ऐसा डाटा तलाशा, जो इसमें रैंडमनैस लाता हो। मिडिलबरी कॉलेज की अर्थशास्त्री कैटिलिन मायर्स और उनके छात्र एजेकिएल हूपर ने प्रजनन क्षमता पर फोन के प्रभावों को अलग करने के लिए आईफोन के शुरुआती दौर के असमान और बिखरे हुए रोलआऊट (शुरुआत) का उपयोग किया। उन्होंने लिखा कि पहला आईफोन जून, 2007 में जारी किया गया था और यह फरवरी 2011 तक केवल ञ्ज–ञ्ज नैटवर्क पर ही उपलब्ध था। इस अध्ययन ने उन अमरीकी काऊंटियों में प्रजनन दरों की तुलना की, जहां लगभग हर जगह ञ्ज–ञ्ज का कवरेज था, उन काऊंटियों से जहां यह कवरेज बहुत कम या बिल्कुल नहीं था। नैशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च में प्रकाशित उनके पेपर में पाया गया कि आईफोन 2007 और 2011 के बीच फर्टिलिटी में आई गिरावट के आधे हिस्से तक की वजह बना। सबसे स्पष्ट प्रभाव 15 से 24 वर्ष की आयु के युवाओं में देखे गए। आईफोन वाली काऊंटियों में क्या हुआ? प्रोफैसर मायर्स ने कहा कि एक सिद्धांत यह है कि युवाओं ने अपने फोन पर अधिक और व्यक्तिगत रूप से कम मेलजोल बढ़ाना शुरू कर दिया तथा इसके परिणामस्वरूप उनके संबंध बनाने और गर्भवती होने की संभावना कम हो गई। प्रोफैसर मायर्स ने कहा कि आईफोन ने पोर्नोग्राफी को भी अधिक सुलभ बना दिया होगा, जिससे युवाओं ने इसे यौन संबंध के विकल्प के रूप में अपना लिया, या युवाओं ने गर्भधारण से बचने के लिए बेहतर जानकारी प्राप्त करने हेतु इसका उपयोग किया हो सकता है, जिसमें गर्भनिरोधक और गर्भपात शामिल हैं। इस अध्ययन में शामिल नहीं रहे शोधकर्त्ताओं ने कहा कि ये परिणाम ठोस और आश्वस्त करने वाले थे। घटती जन्म दर, जो कभी अमीर समाजों की विशेषता हुआ करती थी, अब एक लगभग वैश्विक घटना है। इस गिरावट के व्यापक प्रसार ने शोधकर्त्ताओं को इसके सामान्य चालकों की तलाश करने पर मजबूर कर दिया है। दूसरे अध्ययन के लेखकों ने भी स्मार्टफोन पर गौर करने का फैसला किया। यूनिवघ्सटी ऑफ सिनसिनाटी में अर्थशास्त्र के प्रोफैसर हरनान मोस्कोसो बोएदो और पीएच.डी. छात्र नाथन हडसन ने 128 देशों में स्मार्टफोन की पहुंच और किशोर प्रजनन दरों को मापने वाले विश्व बैंक के आंकड़ों का विश्लेषण किया। मैक्सिको, तुर्की, ईरान, कोस्टा रिका, ग्वाटेमाला और चिली जैसे विविध देशों में, उन्होंने पाया कि स्मार्टफोन के एक व्यापक जन–साधन बनने के बाद किशोर प्रजनन दर में गिरावट तेज हो गई। बारूक कॉलेज के अर्थशास्त्री थियोडोर जॉयस दोनों अध्ययनों को लेकर संशय में हैं। उन्होंने कहा कि किशोरों के जन्म की संख्या 1990 के दशक से ही गिर रही है, जो तकनीक के परिदृश्य में आने से बहुत पहले की बात है। उन्होंने कहा कि प्रोफैसर मायर्स के पेपर ने उस छोटी अवधि की जांच की, जब स्मार्टफोन पूरी तरह से बाजार में नहीं पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि यह परिकल्पना सही हो सकती है लेकिन 'अभी भी काल्पनिक बनी हुई है।

मोदी के अंतर्गत भारत बढ़ते आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक प्रभाव वाली वैश्विक शक्ति बना

डा. करण सिंह

10 जून, 2026 को, भारत अपनी लोकतांत्रिक यात्रा में एक उल्लेखनीय क्षण का गवाह बनेगा, जब नरेंद्र मोदी निरंतर कार्यकाल के मामले में देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन जाएंगे। वस्तुतरू स्वतंत्रता के बाद से ही सार्वजनिक जीवन में शामिल रहने के कारण, मुझे पिछले 2 लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्रियों के साथ निकटता से बातचीत करने का अवसर मिला है। पंडित जवाहरलाल नेहरू मेरे गुरु थे। उन्हें उपनिवेशवाद, गरीबी, विभाजन और सांप्रदायिक संहार से उभरती हुई एक घायल सभ्यता विरासत में मिली थी। उनकी महान उपलब्धि एक विशाल और विविध उपमहाद्वीप को एक कार्यशील लोकतांत्रिक गणराज्य में बदलना था। श्रीमती इंदिरा गांधी के साथ मैंने 10 वर्षों तक उनके मंत्रिमंडल में सेवा की और बंगलादेश के निर्माण में उनकी सबसे बड़ी जीत और आपातकाल के दौरान उनके सबसे काले दौर, दोनों का गवाह रहा। नरेंद्र मोदी की अगली चुनौती प्रधानमंत्री के रूप में उनके कुल कार्यकाल को पार करने की होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खाते में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। उन्हें जो भारत विरासत में मिला, वह जवाहरलाल नेहरू के युग के भारत से काफी अलग था। देश की जनसंख्या लगभग 34 करोड़ से बढ़कर करीब 146 करोड़ हो गई थी, जबकि मतदाता सूची लगभग 11 करोड़ मतदाताओं से बढ़कर 83 करोड़ से अधिक हो गई थी। यह तथ्य कि उन्होंने अपनी पार्टी को लगातार 3 संसदीय जीतों की ओर अग्रसर किया, अपने आप में एक उल्लेखनीय राजनीतिक उपलब्धि है। यदि वह अगले आम चुनाव में फिर से सफल होते हैं, तो भारतीय राजनीति में एक और अभूतपूर्व रिकॉर्ड स्थापित करेंगे। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है, जिसने कोविड–19 महामारी, वैश्विक मुद्रास्फीति के दबावों, भू–राजनीतिक संघर्षों और आपूर्ति शृंखला के व्यवधानों के कारण पैदा हुई बाधाओं के बावजूद मजबूत विकास को बनाए रखा है। उन्होंने टैलीविजन, डिजिटल मीडिया और सोशल नैटवर्किंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अभूतपूर्व 'रियल टाइम' निगरानी के युग में शासन किया है। उनकी सामाजिक कल्याण पहलें, जिनमें स्वच्छ भारत, ग्रामीण स्वच्छता का विस्तार, महिलाओं के लिए स्वच्छ रसोई ईंधन, ग्रामीण विद्युतीकरण, गरीबों के लिए आवास, सौर ऊर्जा पहलें और करोड़ों नागरिकों को लाभ पहुंचाने वाले खाद्य सुरक्षा उपाय शामिल हैं, ने आम भारतीयों के जीवन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है और ऐसे ये मोदी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियां बनी हुई हैं। शैक्षणिक और स्वास्थ्य संस्थानों का विस्तार भी उल्लेखनीय रहा है। जवाहरलाल नेहरू ने पहले आई.आई.टी. और एम्स की स्थापना की थी। नरेंद्र मोदी के तहत, आई.आई.टी., एम्स और आई.आई.एम. की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। ये संस्थान भारत की मानव पूंजी में एक बड़े निवेश का प्रतिनिधित्व करते हैं और देश की बढ़ती व्यावसायिक, वैज्ञानिक और बौद्धिक आकांक्षाओं को दर्शाते हैं। इसी तरह बुनियादी ढांचे का विकास भी इस अवधि की एक परिभाषित विशेषता रहा है। राजमार्गों, हवाई अड्डों के तेजी से विस्तार, रेलवे के आधुनिकीकरण, डिजिटल कनैक्टिविटी और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने दीर्घकालिक आर्थिक विकास की नींव रखने का प्रयास किया है। कोई हर नीति से सहमत हो या नहीं, कार्यान्वयन का पैमाना काफी बड़ा रहा है। उनके कुछ निर्णय निरूसंदेह विवादास्पद रहे हैं, जिनमें नोटबंदी और अनुच्छेद 370 को हटाना शामिल है। एक लोकतंत्र में, प्रमुख नीतिगत पहलों पर हमेशा दोनों पक्षों की ओर से कड़े विचार सामने आएंगे, फिर भी नरेंद्र मोदी ने अपने घोषित लक्ष्यों को पूरा करने का दृढ़ संकल्प दिखाया है। विदेशी मामलों में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महत्वपूर्ण पहलें की हैं। उनके व्यापक अंतर्राष्ट्रीय जुड़ावों ने प्रमुख शक्तियों के साथ–साथ विकासशील देशों के साथ भी भारत के संबंधों को मजबूत किया है। भारत के बढ़ते राजनयिक कद, ग्लोबल साऊथ में नेतृत्व की भूमिका और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बढ़ी हुई दृश्यता ने विश्व मंच पर इसके सम्मान को बढ़ाया है। खाड़ी देशों तक उनकी पहुंच विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही है, जिससे भारत के लिए अत्यधिक रणनीतिक और आर्थिक महत्व वाले क्षेत्र के साथ संबंधों को गहरा करने में मदद मिली है, बावजूद इसके कि उन्हें यह आशंका थी कि भारत धर्मनिरपेक्षता से दूर जा रहा है। मैं यह भी जोड़ सकता हूं कि यद्यपि यह शब्द हमारे संविधान की प्रस्तावना में शामिल है लेकिन दुर्भाग्य से इसने एक हिंदू–विरोधी ग्रंथि प्राप्त कर ली थी। इस पृष्ठभूमि में, उनके कार्यकाल के दौरान एक प्रमुख उपलब्धि सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद अयोध्या में श्री राम लला मंदिर का निर्माण रही है। करोड़ों भारतीयों के लिए इसने एक लंबे समय से चले आ रहे सभ्यतागत और सांस्कृतिक मुद्दे के समाधान को चिन्हित किया। शायद नरेंद्र मोदी का सबसे स्थायी योगदान भारतीय आबादी के विशाल वर्गों के साथ सीधे जुडने और भारत के भविष्य में विश्वास जगाने की उनकी क्षमता रही है। उनका नेतृत्व एक ऐसे कालखंड के साथ मेल खाता है, जिसमें भारत ने खुद को केवल एक विकासशील देश के रूप में नहीं, बल्कि बढ़ती आध्थक, तकनीकी और रणनीतिक प्रभाव वाली एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में देखा है। अधिक विस्तार में जाए बिना, यह कहना पर्याप्त है कि असंख्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, नरेंद्र मोदी बदलाव के एक महत्वाकांक्षी एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए लोकतांत्रिक शासन को बनाए रखने में सफल रहे हैं। आगे की चुनौतियां कठिन बनी हुई हैं–भारत के संघीय ढांचे को मजबूत करना, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, युवा आबादी के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना, पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करना और समावेशी विकास सुनिश्चित करना। किसी की राजनीतिक विचारधारा चाहे जो भी हो, नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति की शब्दावली को बदल दिया है। स्वतंत्रता के बाद से बहुत कम नेता मतदाताओं के साथ ऐसा सीधा संबंध स्थापित करने या राष्ट्रीय विमर्श को उस सीमा तक आकार देने में सक्षम हुए हैं, जैसा उन्होंने पिछले दशक में किया है।

जैसे ही भारत अपने विकास के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, इन कार्यों के लिए ज्ञान, धैर्य और राष्ट्रीय आम सहमति की आवश्यकता होगी। स्वतंत्रता की भोर से भारत की यात्रा को देखने वाले व्यक्ति के रूप में, यह मेरी आशा है कि आने वाले वर्ष हमारे देश को न केवल शक्ति और समृद्धि में, बल्कि ज्ञान, करुणा और राष्ट्रीय एकता में भी बढ़ते हुए देखेंगे। उस बड़े प्रयास में, दलीय राजनीति से अलग, हम सभी को राष्ट्र की सेवा में प्रधानमंत्री की सफलता की कामना करनी चाहिए।

इंडिया गठबंधन में दरारें, एकता बनाम बिखराव

पूनम आई. कौशिश

दलबदल, आहत अहंकार और टूटी वफादारी के इस दौर में, हालिया राज्य चुनावों में तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और माकपा की हार और निराशा के कारण विपक्ष के 'इंडिया' ब्लॉक में दरारें और गहरी हो गईं। कल 25 विपक्षी दलों की बैठक में अंदरूनी मतभेद और तनाव और बढ़ गए। ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और आर्थिक दबाव जैसे मुद्दों पर भाजपा–विरोधी रुख बनाए रखने के बावजूद गठबंधन की एकता बहुत कमजोर स्थिति में है। यह सब राहुल गांधी के 'एकजुट रहने पर हम टिके रहेंगे, बंटने पर गिर जाएंगे' के आह्वान के बावजूद हो रहा है। निश्चित रूप से, गठबंधन में कांग्रेस की केंद्रीय भूमिका पर दबाव बढ़ा है और कुछ सहयोगी दल खुले तौर पर उसके रवैए पर सवाल उठा रहे हैं। इसकी शुरुआत तब हुई, जब द्रमुक ने घोषणा की कि वह लंबे समय से सहयोगी रही कांग्रेस के साथ जगह सांझा करने को तैयार नहीं, जिसने द्रमुक से संबंध तोड़कर विजय की टी.वी.के. से हाथ मिलाया और तमिलनाडु में उनकी सरकार का हिस्सा बनी। आम आदमी पार्टी और विजय की टी.वी.के. भी गठबंधन में शामिल नहीं हैं। जहां झामुमो झारखंड की 2 राज्यसभा सीटों में से 1 के लिए कांग्रेस द्वारा एकतरफा उम्मीदवार घोषित करने से नाराज है, वहीं माकपा ने पूर्व मुख्यमंत्री विजयन पर हमलों को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। पश्चिम बंगाल में ममता की तृणमूल कांग्रेस और संसद में बागी संकट के बीच, जहां 59 विधायक और 20 सांसद अलग हो गए हैं, वह राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आगे की राह तय करने के लिए संघर्ष कर रही हैं, क्योंकि उनका राजनीतिक अस्तित्व संवैधानिक सत्ता बनाए रखने पर टिका है। कांग्रेस भी तृणमूल कांग्रेस के संकट पर नजर रखे हुए है। तृणमूल कांग्रेस का मामला उन क्षेत्रीय दलों के लिए पीढ़ीगत संकट को उजागर करता है, जिन्होंने पिछले 3 दशकों में करिश्माई नेताओं की बदौलत असाधारण सफलता हासिल की थी, लेकिन अब वे अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। राजद, बीजद, तृणमूल कांग्रेस, शिव सेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और द्रमुक जैसी पार्टियां, जो एक मजबूत नेता के इर्द–गिर्द एकजुट होकर बची रहीं, आज उनके सामने एक कठिन विकल्प है, या तो किसी चुने हुए उत्तराधिकारी को कमान सौंपकर बगावत को न्यौता दें, या फिर अपने संस्थापक परिवारों से किनारा कर पार्टी के बिखरने का जोखिम उठाएं। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के नाते, क्षेत्रीय पार्टियों को संसद में परिसीमन, संघवाद और केंद्र–राज्य संबंधों जैसे मुद्दों पर उसके साथ तालमेल बिठाना होगा। हालांकि, साथ ही क्षेत्रीय पार्टियां अधिक मुखर भी हो रही हैं। द्रमुक का अलग होना और माकपा की सार्वजनिक आलोचना यह दिखाती है कि सहयोगी दल अब कांग्रेस को गठबंधन के निध्ववाद नेता के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। इसके अलावा, राज्य–स्तरीय प्रतिद्वंद्विताएं भी अनसुलझी हैं। कांग्रेस केरल में माकपा और बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ सीधे मुकाबले में है। उत्तर प्रदेश में उसकी और समाजवादी पार्टी की प्राथमिकताएं एक जैसी नहीं हैं और अन्य जगहों पर भी सहयोगियों के साथ उसका टकराव है। इस प्रकार, ये विरोधाभास हमेशा से गठबंधन की संरचनात्मक कमजोरी रहे हैं। जहां तक पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, अखिलेश की सपा या लालू की राजद की बात है, तो गठबंधन को जीवित रखने के लिए उनके पास सबसे मजबूत कारण हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र में विपक्ष की एकता पर काफी हद तक निर्भर है, जहां वह कांग्रेस और ठाकरे की शिव सेना (उद्धव) के साथ मिलकर काम करती है। पवार ने ऐतिहासिक रूप से गठबंधन तोडने वाले की बजाय गठबंधन बनाने वाले की भूमिका निभाई है। सपा को कांग्रेस के साथ तालमेल से बार–बार फायदा हुआ है और वह गठबंधन की केंद्रीय हस्तियों में से एक बनी हुई है। राजद के लिए, राजग के खिलाफ कांग्रेस एक जरूरी सहयोगी है, क्योंकि अलग होने से बिहार में विपक्ष कमजोर हो जाएगा। आगे की बात करें तो 3 मुख्य संभावनाएं हैं–पुनर्गठन, न कि पूरी तरह खत्म होना–भले ही कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी हुई है, लेकिन सपा, राजद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, झामुमो जैसी क्षेत्रीय पार्टियां ज्यादा आजादी चाह सकती हैं। दूसरी, एक ढीला–ढाला संसदीय मोर्चा–पार्टियां संसद के अंदर तो तालमेल बनाए रखें लेकिन राज्य चुनावों में अलग–अलग लड़ें। तीसरी, क्षेत्रीय पाध्टयां ऐसे गठबंधन ढांचे की मांग के लिए एकजुट हो सकती हैं जो कांग्रेस पर कम केंद्रित हो। मामला है, न कि 'बिखराव में एकता' वाला। क्या यह एक सार्थक राष्ट्रीय गठबंधन के तौर पर टिक पाएगा, यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि क्या कांग्रेस द्रमुक, माकपा, झामुमो, और तृणमूल कांग्रेस के साथ रिश्ते सुधार सकती है और गठबंधन को बनाए रखने के लिए मोदी के नेतृत्व वाले राजद को चुनौती देने के एक सांझा लक्ष्य पर कायम रह सकती है? साफ है कि विपक्ष को ऐसी भाषा और तरीका खोजना होगा, जो भाजपा की कुशलता, अलग–अलग आवाजों को उठाने की क्षमता, चुनाव लडने की जबरदस्त मशीनरी और उन संसाधनों का मुकाबला कर सके, जिनके दम पर वह अपनी संचार–प्रधानता और छवि बनाए रखती है। निश्चित रूप से, आने वाले दिनों में नैरेटिव कैसे आगे बढ़ता है, इस पर नजर रहेगी।

अब भगवा के निशाने पर पंजाब

भगवा का अश्वमेध यज्ञ का तुरंग पश्चिम बंगाल में विजय पताका फहराने के बाद अब उत्तर भारत के राज्य पंजाब की तरफ मुड़ गया है। उत्तर भारत का यह अकेला राज्य है जहां भाजपा की अपने दम पर सरकार नहीं बन सकी। पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटें हैं।

इनमें 92 सीटों पर कब्जा कर आम आदमी पार्टी (आप) ने सरकार बनायी है। दूसरे स्थान पर पूर्व की सत्तारूढ कांग्रेस रही जिसको 18 विधायक ही मिल पाये। तीसरे स्थान पर शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) रहा था जिसको 3 सीटें मिलीं। भाजपा पहले एसएडी के साथ सरकार में साझेदार थी लेकिन किसान आंदोलन पर मतभेद के चलते एसएडी एनडीए गठबंधन से अलग हो गया था। पंजाब की जनता ने भाजपा को 2 विधायक दिये थे। इसके अलावा 1 सीट मायावती की पार्टी बसपा को और 1 सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुआ था। इस प्रकार पंजाब में भी पश्चिम बंगाल की तरह के हालात हैं। इस बार भाजपा के पक्ष में माहौल बन रहा है। यहां भी मौजूदा आम आदमी पार्टी की सरकार के खिलाफ राजनीतिक माहौल है। कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल को जनता ठुकरा चुकी है। इस लिए भाजपा अपने को विकल्प रूप में प्रस्तुत कर रही है। भाजपा का मनोबल अब काफी बढ़ा हुआ है। सत्तारूढ दल आप के राघव चड्डा समेत कई राज्य सभा सदस्य एनडीए गठबंधन को समर्थन दे रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह समेत कई नेता भाजपा में पहले ही शामिल हो चुके हैं। इसीलिए पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने दम पर 2027 के चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। हाल ही में पार्टी ने केवल सिंह ढिल्लों को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। हालाँकि पार्टी का जनाधार शहरी और व्यापारी वर्ग में मजबूत है, फिर भी ग्रामीण और किसान क्षेत्रों में इसे भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा हिन्दू वोटों को एकजुट करने का प्रयास भी कर रही है। इसी के चलते तरुण चुघ को मध्य प्रदेश से राज्य सभा में लाया गया है। रवनीत सिंह विट्टू भी पंजाब में अब पूरा समय देंगे। इसप्रकार भाजपा की किलेबन्दी बहुत मजबूत दिख रही है। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संगठन को मजबूती देने और विधानसभा की चुनावी तैयारी के मद्देनजर दिल्ली में 12 जून को अहम बैठक आयोजित की गयी। भाजपा अध्यक्ष नीतिन नवीन और गृह मंत्री अमित शाह ने बैठक का नेतृत्व किया।पंजाब भाजपा के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ और पंजाब के संगठन मंत्री श्रीनिवास बैठक में मौजूद रहे। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ,गृह मंत्री अमित शाह, संगठन महामंत्री बी एल संतोष के अलावा तरुण चुघ भी बैठक में शामिल थे।

पंजाब में चुनाव की रणनीति तय करने के लिए गत 12 जून को भाजपा आलाकमान ने नई दिल्ली में पंजाब बीजेपी के शीर्ष नेताओं की एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आगामी 2027 विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति, संगठनात्मक ढांचे और राज्य के राजनीतिक मुद्दों पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। राज्य में पार्टी के अभियान को धार देने के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग और धर्मांतरण जैसे गंभीर मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का रोडमैप तैयार किया गया।स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा को संतोषजनक परिणाम मिले हैं। जहाँ एक ओर पार्टी ने अबोहर जैसे शहरों में शानदार प्रदर्शन कर अपना पहला मेयर अपने दम पर बनाया है, वहीं कई अन्य क्षेत्रों में उसे आप और कांग्रेस के मजबूत विरोध का सामना करना पड़ा है। पंजाब विधान सभा चुनाव 2027 से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के बीच संभावित गठबंधन को लेकर राजनीतिक हलचल एक बार फिर तेज हो गई है। खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह से जुड़ी पार्टी के साथ किसी भी तरह के समझौते से भाजपा के इनकार के बाद बीते दिनों पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के हालिया बयान को अकाली दल के साथ रिश्तों की नई संभावनाओं के तौर पर देखा जा रहा है।भाजपा के प्रदेश महासचिव और पूर्व आईएएस अधिकारी जगमोहन राजू ने दावा किया है कि अमृतपाल सिंह की पार्टी के कुछ नेताओं ने भाजपा के साथ गठबंधन का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, उन्होंने कहा कि भाजपा ने साफ कर दिया है कि वह पंजाब में 2027 का चुनाव सभी 117 सीटों पर अपने दम पर लड़ेगी। राजू के इस बयान ने पंजाब की सियासत में नई बहस छेड़ दी है कि भाजपा किन राजनीतिक विकल्पों पर विचार कर रही है। इस प्रकार पंजाब की राजनीति में एक बार फिर शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के पुराने गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस बहस को और हवा तब मिली जब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पहली बार खुलकर इस संभावित वापसी पर टिप्पणी की और इसे लेकर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उनके बयान के बाद यह सवाल उठने लगा है कि क्या सच में दोनों पार्टियां फिर से साथ आने की तैयारी में हैं या यह सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) को हाल ही में कई बड़े राजनीतिक झटके लगे हैं। पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों के बागी होने और मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने से पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ। आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों ने बागी होकर भाजपा का दामन थाम लिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान भी आप का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में चले गये। मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आप के बड़े नेताओंधविधायकों पर कार्रवाई की है । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान तीन अन्य प्रमुख हस्तियों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। उनके साथ बरनाला के कारोबारी और एनआरआई बलजिंदर सिंह बरनाला के साथ–साथ जलालाबाद के विधायक गोल्डी कंबोज के पूर्व पीए मनजिंदर सिंह साजन खेड़ा भी भाजपा में शामिल हुए। आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान को संबोधित करते हुए भाजपा नेता जाखड़ ने कहा कि भाजपा कार्यालयों पर हमले प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की छापेमारी को नहीं रोकेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जहां भी भ्रष्टाचार हुआ है, वहां जांच जारी रहेगी और हर भ्रष्ट व्यक्ति को अंततः जवाबदेही के दायरे में लाया जाएगा। हालांकि पंजाब की राजनीति में आम आदमी पार्टी (आप) को भी उस समय बड़ा राजनीतिक बल मिला, जब भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील चाम (फगवाड़ा) और जॉर्ज सागर (जालंधर) अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। दोनों नेताओं को पंजाब आप के अध्यक्ष अमन अरोड़ा, पार्टी महासचिव एवं पर्यटन विभाग के सलाहकार दीपक बाली और जालंधर कैंट प्रभारी राजविंदर कौर थियारा की मौजूदगी में पार्टी में शामिल कराया गया।

'लगता है जैसे कल की ही बात हो', 'लगान' के 25 साल पूरे होने पर रैचेल शैली का इमोशनल पोस्ट, लिखा प्यारा नोट

फिल्म को 25 साल पूरे होने पर रैचेल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए फिल्म से जुड़ी अपनी यादों को याद किया और बताया कि यह फिल्म आज भी उनके दिल के बहुत करीब है। इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए रैचेल ने कहा, 'कभी–कभी ऐसा लगता है जैसे ये कल की ही बात हो, और कभी लगता है जैसे ये किसी और जिंदगी की कहानी हो।' रैचेल शैली ने इस फिल्म की सफलता का पूरा श्रेय दर्शकों को दिया। उन्होंने कहा कि 'लगान' को इतने वक्त तक जिंदा रखने में दर्शकों का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा, 'हम कलाकार और टीम मिलकर फिल्म बनाते हैं, लेकिन असली मायने दर्शक देते हैं। आप लोग ही फिल्म को पूरा करते हैं, अपने प्यार और सपोर्ट से।' रैचेल ने यह भी कहा कि 'लगान' उनके साथ हर दिन जुड़ी रहती है और इस फिल्म का असर उनके हर काम में दिखता है। 'लगान' को आशुतोष गोवारिकर ने डायरेक्ट किया था और आमिर खान ने प्रोड्यूस किया था। यह फिल्म 2001 में रिलीज हुई थी और भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन फिल्मों में गिनी जाती है। फिल्म की कहानी 1893 के ब्रिटिश राज के समय की है, जहां एक सूखे से जूझ रहे गांव के लोग भारी टैक्स से बचने के लिए अंग्रेजों को क्रिकेट मैच की चुनौती देते हैं। फिल्म में आमिर खान ने भुवन का किरदार निभाया था, जबकि रैचेल शैली ने एलिजाबेथ रसेल का रोल किया था। यह किरदार एक दयालु ब्रिटिश अधिकारी की बहन का था, जो गांव वालों की मदद करती है। 25 साल बाद भी 'लगान' की यादें और इसकी कहानी लोगों के दिलों में उसी तरह जिंदा हैं।

> रैचेल ने यह भी कहा कि 'लगान' उनके साथ हर दिन जुड़ी रहती है और इस फिल्म का असर उनके हर काम में दिखता है। 'लगान' को आशुतोष गोवारिकर ने डायरेक्ट किया था और आमिर खान ने प्रोड्यूस किया था।

मेरी किस्मत ही खराब थी, तनाव में जी रहा हूं.. 370 की बिरयानी विवाद पर पहली बार बोलें हिमांशु जांगड़ा, कहा– सब कुछ बिखर गया

370 बिरयानी विवाद ने पूरे देश को हिला के रख दिया है। हाल ही में एक लड़का हिमांशु जांगड़ा एक बड़े वुवाद में घिर गए, जब उन्होंने कॉमेडियन प्रणित मोरे के शो में महिलाओं को लेकर बेहद आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी की। उनकी 370 रुपए की बिरयानी वाली टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, जिसके बाद उन्होंने लोगों की कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा। विवाद इतना बढ़ गया कि इसकी वजह से उन्हें अपनी नौकरी भी गंवानी पड़ी। अब इस पूरे मामले के बीच उनका एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें वह प्रणित मोरे के शो में शामिल होने और वहां कही गई बातों को लेकर पछतावा जाहिर करते नजर आ रहे हैं। हाल ही में हिमांशु के एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें हिमांशु को अपनी गलती पर काफी पछतावा हो रहा है और उसने माफी भी मांगी हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि उनकी इस गलत हरकत की वजह से उन्हें आने वाले समय के लिए बहुत बड़ा सबक मिल गया है। इस वीडियो में वो अपनी पुरानी कंपनी के बॉस से बात करते हुए दिख रहे हैं। इसके बाद उन्होंने यह भी बताया कि इस घटना के बाद कैसे उन्हें परिवार के ताने सुनने पड़े। हिमांशु ने बताया कि पहली बार जब गुरुग्राम में ये शो हुआ तो, मैंने सोचा मैं चले जाता हू। हिमांशु जांगड़ा ने कहा कि उन्होंने शो में जो कहानी सुनाई थी, वह पूरी तरह सच नहीं थी, बल्कि उसे उन्होंने मौके के हिसाब से थोड़ा बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया था। उन्होंने माना कि यह उनकी बड़ी गलती थी और इसके लिए वह माफी मांगना चाहते हैं। उनके मुताबिक, उस समय माहौल ऐसा था कि लोग इसे सिर्फ मनोरंजन के तौर पर ले रहे थे और शो के होस्ट की प्रतिक्रियाओं ने भी उन्हें और बोलने के लिए प्रोत्साहित किया। हिमांशु ने कहा कि उस वक्त उन्हें यह समझ नहीं आया कि उन्हें अपनी बातों की एक सीमा रखनी चाहिए थी। अब जब वह उस वीडियो को दोबारा देखते हैं, तो उन्हें अपनी कही बातों पर गहरा पछतावा होता है और अफसोस होता है कि उन्होंने ऐसी टिप्पणी क्यों की।

संचिता उगले के चचेरे भाई ने आत्महत्या पर उठाया सवाल, सुशांत सिंह राजपूत की मौत से क्यों जोड़ा कनेक्शन ?

30 वर्षीय टीवी एक्ट्रेस संचिता उगले की आत्महत्या के बाद परिवार और फैंस सदमे में हैं। एक्ट्रेस के चचेरे भाई आकाश उगले ने इस मामले पर नई जानकारी साझा की है। साथ ही अपनी चचेरी बहन की आत्महत्या को अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या से भी वह जोड़ रहे हैं। आखिर इन दोनों आत्महत्याओं का आपस में क्या कनेक्शन है? जानिए। एक्ट्रेस संचिता के चचेरे भाई आकाश उगले ने अमर उजाला की गई बातचीत में कहा, 'उस पर इंडस्ट्री में बड़े लोगों का दबाव तो नहीं था। लेकिन मेरी बहन की इंस्ट्राग्राम पर एक दूसरी आईडी है, जिसमें सुशांत सिंह राजपूत के वीडियो हैं। वहां पर एक वीडियो में लिखा है, 'इट्स अगेन 14 जून'। सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून 2020 को आत्महत्या की थी। संचिता ने भी 14 जून 2026 को आत्महत्या की है। इंडस्ट्री में साधारण घरों से आने वाले बच्चों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।' यह कहते हुए संचिता के भाई बहुत भावुक नजर आए।   संचिता उगले उभरती हुई अभिनेत्री थीं। उन्होंने कई चर्चित टीवी सीरियल्स में काम किया था, जिनमें कुमकुम भाग्य और वागले की दुनिया शामिल हैं। वे दिलवाली दूल्हा ले जाएगी शो में भी नजर आई थीं। इसमें उन्होंने सुकून का किरदार निभाया। कुमकुम भाग्य से उन्हें अच्छी पहचान मिली। टीवी शो के अलावा संचिता धीरे–धीरे बड़े पर्दे की तरफ अपने कदम बढ़ा रही थीं। उन्होंने साल 2025 में आई विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा में काम किया था। इस फिल्म में उन्हें ताराबाई की भूमिका में देखा गया था। इस फिल्म का हिस्सा बनकर वह बहुत खुश हुई थीं।

इस पर जरूर फिल्म बनाऊंगा एयर इंडिया की फ्लाइट एआई–171 हादसे की दर्दनाक कहानी पर्दे पर उतारेंगे मिलन शर्मा

बीते साल 12 जून को लंदन जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई–171 अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद मेघानीनगर इलाके में बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल कॉम्प्लेक्स पर क्रैश हो गई थी। इस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों और जमीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई थी। चमत्कारिक रूप से एक यात्री बच गया था। जान गंवाने वालों में निर्माता मिलन शर्मा की बहन अंजू शर्मा भी थीं। हाल ही में इस दुखद हादसे पर बात करते हुए मिलन शर्मा ने बताया कि वे इस पर फिल्म बनाएंगे। एयर इंडिया की फ्लाइट ।प्–171 के क्रैश में अपनी बड़ी बहन को खोने वाले निर्माता ने इस हादसे पर आधारित एक फीचर फिल्म बनाने की योजना पर बात की। उन्होंने इसे अपना निजी मिशन बताया है। उनका कहना है कि यह उनके करियर का आखिरी प्रोजेक्ट हो सकता है। मूल रूप से हरियाणा के कुरुक्षेत्र के रहने वाले और वड़ोदरा में काम करने वाले फिल्ममेकर मिलन शर्मा बताया कि पिछले साल 12 जून को हुए इस क्रैश के कुछ ही दिनों बाद उन्होंने यह फिल्म बनाने का फैसला किया था। उन्होंने भारत के सबसे भयानक एविएशन हादसों में से एक में अपने रिश्तेदारों को खोने वाले परिवारों का दुख देखा था। बता दें कि इस हादसे को लेकर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (।।प्ठ) अपनी जांच जारी रखे हुए है और अभी तक कोई अंतिम रिपोर्ट जारी नहीं की गई है। इस हादसे में मिलन ने अपनी 56 साल की बहन अंजू शर्मा को खो दिया। हादसे के एक साल बाद समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए निर्माता ने बताया कि फिल्म बनाने का विचार हादसे के तुरंत बाद ही आया था, न कि पहली बरसी के दौरान उन्होंने इस बारे में सोचा है। उन्होंने कहा, श्जब पिछले साल यह हादसा हुआ और हमें इसकी खबर मिली, तो सब कुछ देखने के बाद एक हफ्ते के अंदर ही मैंने तय कर लिया कि मैं इस पर जरूर फिल्म बनाऊंगा। मिलन शर्मा ने कहा, यह प्रोजेक्ट हमेशा मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट रहेगा। मैं इस पर पहले से ही काम कर रहा हूं और मुझे यकीन है कि मैं यह फिल्म जरूर बनाऊंगा। मिलन ने कहा कि फाइनल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट न आने की वजह से इस त्रासदी और पीड़ितों के परिवारों पर इसके असर को डॉक्युमेंट करने का उनका इरादा और मजबूत हो गया है। उन्होंने कहा, श्एक साल बीत चुका है और हम अब भी इंतजार कर रहे हैं। हमारे लिए फाइनल रिपोर्ट बहुत जरूरी है। हम जानना चाहते हैं कि क्या हुआ था? इसमें सिर्फ वे लोग ही नहीं मरे जिनकी जान गई, बल्कि एक तरह से उनके परिवार भी खत्म हो गएश।

38 की उम्र में टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति के घर गूंजी किलकारियां, बेटी को दिया जन्म

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने 38 साल की उम्र में 13 जून के दिन बेटी को जन्म दिया है। इतनी बड़ी गुड न्यूज उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कर के दी है। आज से एक्ट्रेस सुरभि ज्योति और उनके पति के जीवन का एक नया सफर शुरू हो गया है। बेटी के जन्म की घोषणा करते हुए कपल ने एक भावुक पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा था– हमारी बेटी आ गई है। .हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भर गया है। इस साथ उन्होंने एक स्पेशल पोस्टर भी शेयर किया है, जिसमें एक गुलाब का फूल है और लिखा हुइटस ए गर्ल! 13 जून, 2026 .जैसे ही उन्होंने ये खुशखबरी अपने फैंस के साथ शेयर की इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया है। फैंस के साथ–साथ टीवी इंडस्ट्री के कई सितारों ने भी माता–पिता को शुभकामनाएं दीं। इसी के साथ अभिनेत्री किश्वर मर्चेंट ने भी कमेंट करते हुए लिखा, येईई... बधाई हो। खास बात यह है कि एक इंटरव्यू के दौरान सुरभि ने बताया था कि उनको और उनके पति को हमेशा से ही एक बेटी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि बच्चा बस स्वस्थ होना चाहिए, चाहे कोई भी लेकिन फिर भी वो चाहते थे की उनके घर बेटी आए। सुरभि और सुमित ने 2024 में उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट में शादी की थी। इसके बाद फरवरी 2026 में दोनों ने अपने पहले बच्चे के आने की खुशखबरी साझा की थी और अब उनके घर नन्ही परी के आगमन से खुशियों का माहौल है।

प्रेग्नेंसी में इस पोजिशन में सोना बच्चे के लिए हो सकता है खतरनाक

अगर आप पहली बार मां बन रही है तो न केवल आपको अपनी अच्छी डाइट पर ध्यान देना चाहिए। बल्कि आपको भरपूर नीद भी लेनी चाहिए। ऐसा हम नहीं कुछ डाक्टरों का कहना है। उनका कहना है कि जैसे–जैसे आपका शरीर बढ़ता है आपके लिए आरामदायक नींद पाना थोड़ा कठिन हो जाता है। वजन बढ़ने के कारण आप पैरों में ऐंठन और पीठ में दर्द महसूस भी कर सकती है। वहीं कुछ महिलाओं को इस अवस्था में बुरे सपने भी आने लगते हैं। ऐसे में आपके लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रेग्नेंसी के दौरान सोने की सही पोजिशन क्या है। तो चलिए जानते है।

गर्भावस्था के दौरान कैसे सोएं

डॉक्टर का कहना है कि प्रेग्नेंसी के दौरान करवट लेकर ही सोना चाहिए। क्योंकि आपके ऐसा सोने से गर्भाशय में रक्त प्रवाह सही तरह से होता है और भ्रूण को बढ़ने में मदद मिलती हौ। वहीं इस बात का ध्यान रखे कि सोते समय अगर आप अपनी पोजिशन बदल रहे है तो झटके से करवट न बदलें, क्योंकि ऐसा करने से समस्या हो सकती है।

बाईं ओर सोने के फायदे

आमतौर पर गर्भावस्था के दौरान बाईं ओर सोने की स्थिति को प्रेग्नेंसी के लिए सही माना जाता है। दरअसल, जब अब आप बाईं तरफ करवट लेकर सोते हैं, तो इससे इन्फीरियर वेना केवा में ब्लड फ्लो बेहतर होता है, जो दिल और बच्चे तक खून पहुंचाने का काम करती है। साथ ही बाईं ओर सोने से लीवर और किडनी पर दबाव कम होता है, जिससे वे अधिक प्रभावी ढंग से काम कर पाते हैं। इससे हाथों, टखनों और पैरों में सूजन कम हो सकती है।

सोते समय न करें ये गलती

अगर आप मां बनने वाली है तो पीठ के बल बिलकुल न सोएं। क्योंकि पीठ के बल सोने या लेटने से बच्चे को ऑक्सीजन लेने में भी दिक्कत हो सकती है। इसलिए लेटते समय अपनी पोजीशन पर खास ध्यान रखें। ऐसा करने से मां और शिशु दोनों स्वस्थ रहेंगे।

अगर अंडे उबालते वक्त टूट जाते हैं तो ट्राई करें ये टिप्स

ब्रेकफास्ट में ज्यादातर लोग उबले हुए अंडे खाना ज्यादा पसंद करते है। लेकिन कई बार अंडे को उबालते वक्त यह फट जाता है या ठीक से नहीं उबलता नहीं है। जिसके चलते इसे खाने का मजा थोड़ा किरकिरा हो जाता है।

लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको अंडे उबालने का सही तरीका बता रहे हैं। तो चलिए जानते है इसके बारे में।

बड़े बर्तन में उबाले अंडा

अगर आप बर्तन में अंडा उबालने जा रहे हैं तो इसके लिए बड़े बर्तन का चयन करें। बड़े बर्तन में अंडा इसलिए उबालना चाहिए ताकि अंडे आपस में टकराए न और आसानी से उबल जाएं। इस बात का ध्यान रखें कि उबालते वक्त बर्तन में पानी उतना ही डालें जितना अंडा डूब जाएं।

मध्यम आंच में पकाएं अंडे

अंडे को हमेशा मीडियम आंच में ही उबाले और उन्हें पानी में डालते समय एकदम से न चटके। पानी में अंडों को धीरे धीरे कर के रखें।

उबालते वक्त पानी में डाल दें नमक

अगर आपने अंडे फ्रिज में रखे है तो उबालने से पहले उसे 10 से 15 मिनट बाहर निकाल लें। ताकि वह नार्मल टेंपरेचर में आ सके। इसके बाद ही इसे पानी में उबालने के लिए रखें। उबालते वक्त पानी में चुटकी भर नमक डाल दें। इससे अंडे के छिलके उतारने में आसानी होती है।

गर्मियों में स्किन को नेचुरल ग्लो देंगे शहनाज हुसैन के ये होममेड मॉइश्चराइजर

गर्मियों ने लोगों के पसीने छुड़ाने शुरू कर दिए हैं। गर्मियों की शुरुआत मतलब स्किन प्रॉब्लम शुरू होना। इसका कारण है बदलता मौसम, जिसके कारण स्किन में अलग–अलग बदलाव नजर आने लगते हैं। गर्मियां आते ही कई तरह की त्वचा संबंध ाी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। इस मौसम के आते ही धूल, मिटटी, तापमान और प्रदूषण बढ़ने त्वचा कुछ ज्यादा संवेदनशील हो जाती है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें गर्मियों में भी ड्राई स्किन से परेशान होना पड़ता है। दरअसल, वातावरण में नमी की कमी के कारण त्वचा रूखी हो जाती है। इसकी वजह से चेहरा बेजान और मुरझाने लगता है। हम गर्मी से बचने के लिए एसी में रहना पसंद करते हैं वहीं एसी वातावरण में नमी कम कर देता है जिसकी वजह से लोगों को ड्राई स्किन की समस्घ्या से जूझना पड़ता है।इस मौसम में त्वचा के लिए ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अलग–अलग तरीके तलाशने लगते हैं लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी है कि आपकी त्वचा को ठण्डक महसूस हो और त्वचा में नमी बनी रहे जिससे त्वचा कोमल और मुलायम बनी रहेगी।

त्वचा की देखभाल के लिए मॉइश्चराइजर बहुत जरूरी होता है। इसका इस्तेमाल करने से चेहरे पर प्राकृतिक चमक बनी रहती है। गर्मियों के मौसम में ज्यादातर लोग ड्राई स्किन से परेशान होते हैं। इस तरह की स्किन टाइप के लिए बाजार में कई तरह के प्रोडक्ट्स हैं लेकिन इन सभी मॉइश्चराइजर में केमिकल होता है और चेहरे पर केमिकल लगाने से स्किन पर इसका साइड इफेक्ट होता है। यहां हम बता रहे हैं घर में बनने वाले मॉइश्चराइजर के बारे में। ऐसे में आप कुछ घरेलू उपायों की मदद से स्किन की नमी को बनाए रख सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल या जूस को रोजाना स्किन पर लगाएं। 20 मिनट तक लगा रहने दें और सादे पानी से धो लें। यह पिंपल्स, रैशेज, खुजली और जलन की समस्या को दूर करने में काफी प्रभावी होता है। एलोवेरा स्किन को मुलायम रखता है और इसमें प्राकृतिक हीलिंग गुण होते हैं। एलोवेरा एक शक्तिशाली प्राकृतिक मॉइश्चराइजर है और नमी को सील करता है। ये मृत त्वचा कोशिकाओं को भी नरम करता है और त्वचा को चिकना और चमकदार बनाने में मदद करता है। ये नमी बनाए रखने की क्षमता में सुधार करके त्वचा के सामान्य कार्यों में मदद करता है। एलोवेरा जेल या रस को बाहों पर लगा कर 20 मिनट के बाद सादे पानी से धो लें। ये त्वचा को मॉइश्चराइज करेगा। एलोवेरा जेल और मिनरल वाटर को बराबर मात्रा में मिलाएं और क्रीम बनने तक धीमी आंच पर गर्म करें। जब ये ठंडा हो जाए तो इसे एक एयरटाइट जार में स्टोर करें। आप इसे रोजाना लगा सकते हैं।

गुलाब जल और ग्लिसरीन

100 मिली गुलाब जल में एक चम्मच शुद्ध ग्लिसरीन मिलाएं। एक एयरटाइट बोतल में रखें। चेहरे और शरीर पर त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए इस लोशन का उपयोग करें। गर्मियों के दौरान आप लोशन को ठंडा और ताजा बनाए रखने के लिए फ्रिज में रख सकते हैं। यह ऑयली और कॉम्बिनेशन स्किन को ऑयली बनाए बिना मॉइश्चराइज करता है। 1 चम्मच ग्लिसरीन ,1 चम्मच गुलाब जल और 1चम्मच नींबू के रस का मिश्रण बनाएं और उसे चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से स्क्रब करें और फिर हल्के गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा की गंदगी साफ हो जाती है और डेड सेल्स भी खत्म हो जाते हैं। इससे त्वचा की मृत कोशिकाएं नष्ट हो जाती है और त्वचा में निखार आ जाता है। ग्लिसरीन, गुलाब जल और नींबू का रस एक बेहतरीन मॉइश्चराइजर की तरह काम करता है। यह त्वचा के रूखेपन को कम करता है और त्वचा को निखारने में मदद करता है। इनमें मौजूद एस्ट्रिंजेंट त्वचा के दाग–धब्बों को कम करने में मदद करता है।

केला और गुलाब जल

एक केले को मैश करें और उसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिलाएं। चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट बाद धो लें। केला स्किन को हाइड्रेट,पोषण और टाइट करता है, जबकि गुलाब जल टोन और मॉइश्चराइज करता है।

बादाम का तेल और दूध

आधा चम्मच शहद में एक चम्मच बादाम का तेल और एक चम्मच सूखे दूध का पाउडर मिलाएं। मिलाकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट बाद सादे पानी से धो लें। सूखा दूध ा पाउडर से स्किन को पोषण मिलता है और मुलायम बनाता है। बादाम का तेल भी स्किन को पोषित करता है। दूध में बादाम का तेल मिलाकर पीना त्वचा और बालों दोनों के लिए फायदेमंद होता है क्योंकि इस मिश्रण में विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखने में और बालों को घना और मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दही

गर्मियों में रूखी त्वचा से निजात पाने के लिए दही काफी कारगर साबित होता है। आप दो चम्मच ताजा दही चेहरे पर लगा कर इसे पांच मिनट तक चेहरे की मसाज करें और बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें। बेहतर परिणाम के लिए इसे आप हफ्ते में तीन बार उपयोग कर सकते हैं। दही का इस्तेमाल करने से चेहरे का कालापन दूर होता है और त्वचा का निखार भी बढ़ता है। इसमें एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो त्वचा में नमी को बरकरार रखने में मदद करते हैं।

(लेखिका अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य बिशेष्ज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है)

विटामिन बी–12 की कमी से शरीर में दिखते है ये खतरनाक संकेत, आप भी हो जाएं सावधान

विटामिन बी–12 शरीर के लिए एक बेहद जरूरी सप्लीमेंट है। क्योंकि इसमें एक कोबाल्ट होता है जो बाकी विटामिन में नहीं होता। बता दें कि पुरुषों को रोजाना 2.4 माइक्रोग्राम और महिलाओं को 2.6 माइक्रोग्राम विटामिन बी–12 का सेवन करना चाहिए। क्योंकि यह ब्लड सेल्स को स्वस्थ बनाने के साथ– साथ डीएनए के बनने में मदद करता है। कई लोग मूड स्विंग्स महसूस करते हैं यानी कि अचानक गुस्सा आ जाना या चिड़चिड़ाहट महसूस होना। ऐसे में हो सकता है कि उस व्यक्ति के शरीर में विटामिन बी–12 की कमी हो। क्योंकि इसकी कमी से सेरोटोनिन हॉर्मोन सही मात्रा में नहीं बन पाता है। जिसके चलते व्यक्ति का मूड खराब और डिप्रेशन जैसा महसूस करता है। तो चलिए जानते है विटामिन बी12 की कमी से शरीर में होने वाले बदलाव।

त्वचा का पीलापन

शरीर में जब विटामिन बी–12 की कमी होती है तो त्वचा पीली पड़ने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आपके शरीर में रेड ब्लड सेल्स व खून की कमी हो जाती है।

जीभ का लाल होना

शरीर में विटामिन बी–12 कमी के चलते आपको बोलने में भी परेशानी हो सकती है। अगर आपकी जीभ लाल पड़ गई है या उसमें सूजन की समस्या है तो शायद इसका कारण विटामिन बी12 की कमी है।

मुंह में छाले पड़ना

इसकी वजह से मुंह में बहुत से छाले हो जाते हैं और आपको दर्द व सूजन की समस्या भी हो सकती है।

चलने में कमजोरी महसूस होना

विटामिन बी–12 की कमी के कारण आप को चलने में भी दिक्कत होने लगती है क्योंकि इस की कमी के कारण धीरे धीरे आप का नरवस सिस्टम डेमेज होने लगता है और कमजोरी महसूस होती है।

आंखों का धुंधलापन

आप को धुंधला दिखना या दिखने में समस्या होना भी विटामिन बी–12 की कमी के लक्षण है। यह भी अक्सर नरवस सिस्टम के डेमेज होने के कारण होता है।

दिमाग पर भी होता है इसका असर

रिसर्चों से पता चला है कि विटामिन बी–12 की कमी का दिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इस दौरान व्यक्ति अक्सर व्यक्ति को कुछ चीजें याद नहीं रहती।

विवाह में बार–बार आ रही है अड़चनें, तो सोमवार के दिन करें ये उपाय

सोमवार का दिन देवों के देव महादेव को समर्पित है। इस दिन भोले बाबा की पूजा करने से विशेष फल मिलता है। सभी देवी–देवताओं के मुकाबले शिव जी की साधना बेहद सरल है। शिव को कल्याण का देवता माना गया है। शास्त्रों में शिव जी की कृपा पाने और उन्हें प्रसन्न करने के लिए कुछ आसान उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से भक्तों की मनोकामनाएं जल्द ही पूरी होती हैं। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

सोमवार को जरूर करें ये उपाय

1 धन व संपत्ति के लिए रोज सुहब शिवलिंग पर चावल चढाएं।

2 नियमित रुप से रोज सुबह शिवलिंग पर पंचामृत चढ़ाएं। ऐसा करने से आपके सारे दुख दूर होंगे।

3 प्रतिदिन 21 बिल्वपत्रों पर चंदन से श्ऊँ नमरूशिवायश लिखकर शिवलिंग पर अर्पित करें। इससे व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होगी।

4 विवाह में अड़चनें आ रही है तो प्रतिदिन शिवल्गि पर केसर मिलाकर दूध चढ़ाने से आपके विवाह के संजोग खुलेंगे।

सभी प्रकार के सुखों की होगी प्राप्ति

5 भगवान शिव पर जौ अर्पित करने से सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है।

6 गन्ने के रस से शिव का अभिषेक करें। ऐसा करने से शीघ्र ही विवाह का संयोग बनता है और सुख–समृद्धि की प्राप्ति होती है।

7 धन में वृद्धि और लंबी आयु के लिए सोमवार को शिवलिंग का गाय के घी से अभिषेक करें।

8 इस दिन शिवलिंग पर चंदन चढ़ाने से भक्तों का सौभाग्य जागता है।

संक्षिप्त

क्या रोनाल्डो की टीम तोड़ पाएगी फीफा विश्वकप में 96 साल का रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क,एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 में जहां टीमें मैदान पर अपनी ताकत दिखाने में जुटी हैं, वहीं सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प आंकड़ा वायरल हो रहा है। इस आंकड़े में कुछ ऐसा संयोग है जिससे लियोनल मेसी और अर्जेंटीना के फैंस के साथ–साथ किलियन एमबाप्पे और फ्रांस के फैंस खुश हो सकते हैं। हालांकि, यह आंकड़ा क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल के फैंस के लिए निराश करने वाला हो सकता है। हालांकि, पुर्तगाल विश्वकप जीतकर 96 साल के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकता है और पहली टीम बनने का मौका हासिल कर सकता है। यह रोनाल्डो का आखिरी विश्वकप हो सकता है और पुर्तगाल की नजर अपने इस दिग्गज फुटबॉलर को एक शानदार विदाई देने पर होगी। संयोग यह है कि 96 साल के फीफा विश्वकप इतिहास में अब तक जितनी भी टीमों ने ट्रॉफी जीती है, उनके कोच की राष्ट्रीयता भी उसी देश की रही है। यानी विश्वकप जीतने वाली हर टीम का कोच उसी देश का नागरिक था। उदाहरण के लिए 2010 में स्पेन ने खिताब जीता तो उसके कोच विसेंटे डेल बॉस्क स्पैनिश थे। 2014 में जर्मनी विश्व चैंपियन बना और उसके कोच योआखिम लोव जर्मनी से थे। इसी तरह 2018 में फ्रांस के कोच डिडिएर डेशां और 2022 में अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कालोनी भी अपनी–अपनी राष्ट्रीय टीमों के ही नागरिक थे। यह सिलसिला 1930 से अब तक नहीं टूटा है, जिसके कारण कई फैंस इसे वर्ल्ड कप का कर्स या वर्ल्ड कप जीतने का फॉर्मूला कहकर चर्चा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल चर्चाओं के मुताबिक इस पैटर्न के आधार पर अर्जेंटीना, स्पेन, फ्रांस, ब्राजील और इंग्लैंड को बढ़त मिलती दिख रही है, क्योंकि इन टीमों के मुख्य कोच उनकी अपनी ही राष्ट्रीयता के हैं। वहीं पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज स्पेन से हैं। इसी वजह से कई फैंस मजाक में कह रहे हैं कि अगर यह संयोग जारी रहा तो पुर्तगाल का विश्वकप जीतना मुश्किल हो सकता है। हालांकि फुटबॉल विशेषज्ञ इस तरह के आंकड़ों को सिर्फ रोचक संयोग मानते हैं, क्योंकि मैदान पर जीत हार का फैसला खिलाड़ियों का प्रदर्शन और रणनीति करती है। इतिहास बताता है कि विश्वकप जीतने के लिए सिर्फ कोच की राष्ट्रीयता काफी नहीं होती। कई विदेशी कोच अपनी टीमों को बड़ी सफलताएं दिला चुके हैं, लेकिन विश्वकप ट्रॉफी जीतने का यह रिकॉर्ड अब तक नहीं टूटा है। ऐसे में 2026 विश्वकप के दौरान यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कोई टीम इस लंबे चले आ रहे संयोग को तोड़ पाती है या नहीं।

बाजार की उठापटक में कैसे बचाएं अपनी पूंजी?

प्रयागराज में रहने वाले अमित कुमार पिछले कुछ दिनों से सुबह की चाय चैन से नहीं पी पा रहे हैं। वजह है शेयर बाजार का मौजूदा मिजाज। कुछ दिन पहले तक जब छोटे और मझोले शेयर रॉकेट की तरह भाग रहे थे। पिछले हफ्ते जैसे ही बड़ी कंपनियों ने कमान संभाली और छोटे शेयरों में मुनाफावसूली हुई, अमित के पोर्टफोलियो का रंग हरे से लाल हो गया। आज के बाजार में बार–बार बदलते चक्र को भांपना और सही समय पर सही दांव लगाना किसी आम निवेशक के बस की बात नहीं है। इसीलिए एक अचूक रणनीति तेजी से लोकप्रिय हो रही है, जिसे मल्टी–फैक्टर फंड कहा जाता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड कंपनियों के आकार यानी उनके कुल बाजार मूल्य के हिसाब से शेयरों का चुनाव करते हैं। इस ढर्रे के विपरीत मल्टी–फैक्टर फंड इस बात पर ध्यान नहीं देते कि कोई कंपनी कितनी बड़ी है, बल्कि वे कंपनी के कामकाज के तरीके और उसके बर्ताव का आकलन करते हैं। इसके लिए वे कुछ ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित मजबूत कारकों को चुनते हैं। ये फैक्टर ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जो जोखिम को कम करते हुए बेहतर रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं। पारंपरिक सूचकांकों के पीछे भागने के बजाय, यह फंड कई मजबूत कारकों, जैसे कंपनी का वास्तविक मूल्य, गुणवत्ता, रफ्तार, या उतार–चढ़ाव की स्थिरता, को एक साथ मिलाकर एक बेहद मजबूत पोर्टफोलियो तैयार करता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड काफी हद तक फंड मैनेजर के अनुभव, अनुमान और व्यक्तिगत नजरिये पर निर्भर करते हैं। वहीं, मल्टी–फैक्टर फंड मानवीय भावनाओं, डर और लालच को पूरी तरह से किनारे कर देते हैं। यह व्यवस्था पूरी तरह से कड़े नियमों और कंप्यूटर आधारित गणितीय प्रणाली पर काम करती है। यह फंड बाजार के दो या दो से अधिक प्रमाणित स्तंभों को एक साथ चुनता है। इसके मुख्य चार स्तंभ हैं– गुणवत्ता (कम कर्ज और अधिक मुनाफा), वास्तविक मूल्य (सस्ते दामों पर मिलने वाले अच्छे शेयर), रफ्तार (तेजी से ऊपर की ओर भागते शेयर) और कम उतार–चढ़ाव (स्थिर शेयर जो बाजार के झटकों में ज्यादा नहीं डगमगाते)। यदि आप बाजार के मौजूदा हिचकोलों से नहीं डरते और लंबी अवधि ा के लिए निवेश कर रहे हैं, तो यह मिश्रण आपके लिए है। रफ्तार आपको तेजी का पूरा फायदा दिलाएगी, जबकि गुणवत्ता यह पक्का करेगी कि आपका पैसा केवल मजबूत बुनियादी ढांचे वाली कंपनियों में ही लगे। यह उन आम निवेशकों के लिए है, जो आज की उथल–पुथल के बीच रात को चौन की नींद सोना चाहते हैं। इसमें आपको साफ–सुथरी कंपनियां भी मिलती हैं और वे सही तथा किफायती दामों पर भी हासिल होती हैं। अगर आपका मुख्य उद्देश्य अपनी पूंजी को बाजार के दौरों से बचाना है, तो यह मिश्रण आज के बाजार में एक शॉक–एब्जॉर्बर की तरह काम करता है। आपका पैसा लगातार लाभांश देने वाली बेहद स्थिर कंपनियों में सुरक्षित रहता है।

पांच साल बाद विश्वकप में गूंजा भारत का नाम: धीरज ने जीते दो स्वर्ण मां ने मंगलसूत्र गिरवी रखकर कराई थी तैयारी

मुंबई,एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत कई यादगार कहानियों से भरी रही। इनमें सबसे प्रेरणादायक कहानी दो विकेटकीपर बल्लेबाजों ईशान किशन और संजू सैमसन की रही। ईशान की जहां अचानक टी20 विश्वकप टीम में एंट्री हुई, वह संजू टूर्नामेंट की शुरुआत में प्लेइंग इलेवन तक में शामिल नहीं थे। हालांकि, टूर्नामेंट में दोनों का प्रदर्शन जबरदस्त रहा। सैमसन ने लगातार तीन अर्धशतक लगाकर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें टूर्नामेंट का प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया। अब सूर्यकुमार ने खुलासा किया है कि ईशान किशन की टीम में वापसी कैसे हुई थी। साथ ही कप्तान ने यह भी बताया कि सैमसन को उनके मुश्किल दौर में उन्होंने क्या नसीहत दी थी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि जब सैमसन टीम से बाहर थे, तब दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी। सूर्य ने बताया कि सैमसन खुद उनके पास आए थे और टीम में अपनी भूमिका के बारे में जानना चाहते थे। उन्होंने कहा, संजू के पास बहुत टैलेंट है। वह विकेटकीपर हैं और टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी कर सकते हैं। मुझे याद है वह एक बार मेरे पास आए और बोले, श्बस मुझे बता दीजिए कि टीम मुझसे क्या चाहती है। हमने उनसे कहा कि हमें वही संजू सैमसन चाहिए जो गेंदबाजों पर हमला करते हैं।

सूर्य ने यह भी बताया कि सैमसन ने टीम के सामने भी साफ कहा था कि वह पहले टीम की जरूरत को प्राथमिकता देंगे। सूर्यकुमार ने बताया, उसने पूरी टीम से कहा कि हम पहले वही करेंगे जो टीम चाहती है, उसके बाद अपनी सोचेंगे। तभी हम कुछ खास हासिल कर पाएंगे। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि जब सैमसन प्लेइंग इलेवन में नहीं थे, तब उन्होंने उन्हें धैर्य रखने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा, श्जब वह नहीं खेल रहे थे, तब मैंने उनसे कहा कि यह कठिन दौर है लेकिन इसे स्वीकार करो। अगर भगवान ने तुम्हारे लिए कुछ लिखा है तो वह जरूर मिलेगा।श सूर्य के मुताबिक सैमसन लगातार मेहनत कर रहे थे और मौका मिलने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, वह खुद को तैयार कर रहे थे कि अगर मौका मिला तो उसे पकड़ लेना है और पूरी दुनिया देखेगी।

सूर्यकुमार ने इस बात का भी खुलासा किया है कि अचानक टीम इंडिया के रडार पर ईशान किशन कैसे आए। ईशान पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे और उन्हें अचानक टी20 विश्वकप की टीम में चुना गया और इसके बाद ईशान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूरे टूर्नामेंट में अहम समय में उनका बल्ला चला और ईशान ने कई तूफानी पारियां खेलीं। सूर्यकुमार ने बताया, टूर्नामेंट शुरू होने से पहले जब मैं टीम का चयन कर रहा था, तो मैंने ईशान से बातचीत की थी। मैंने उनसे पूछा था कि क्या आप मेरे लिए विश्वकप जीतोगे? इस पर ईशान ने मुझे जवाब दिया कि मुझ पर थोड़ा बहुत विश्वास दिखाओ और मैं जिताऊंगा। हमारी विश्वकप से पहले यही बातचीत हुई थी। ईशान के संघर्ष पर बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, ईशान ने हमें निराश नहीं किया। जिस तरह से उन्होंने खेला, वह देखना शानदार था। उन्होंने पिछले दो साल में काफी संघर्ष किया है। काफी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को मिस किया। हालांकि, इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट में लौटे और घरेलू टूर्नामेंट्स खेले, अपना रोल बखूबी निभाया, कड़ी मेहनत की और टीम इंडिया में वापसी की और वही किया जो करने में वह बेस्ट हैं। सूर्यकुमार यादव ने यह भी खुलासा किया कि टीम के भीतर हार्दिक पांड्या की भूमिका काफी अहम रही। एशिया कप के दौरान सूर्य ने हार्दिक से कहा था कि वह टीम के सबसे अनुभवी बड़े मैच खिलाड़ी हैं और उन्हें बाकी खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव साझा करने चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने हार्दिक से कहा था कि तुम इस ग्रुप में बड़े मैच खेलने वाले सबसे अनुभवी खिलाड़ी हो। बाकी खिलाड़ियों से बात करो और बताओ कि बड़े मुकाबलों में कैसे खेलना चाहिए। सूर्य ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम के भीतर एक अहम बैठक हुई, जिसने पूरे अभियान की दिशा बदल दी। उन्होंने कहा, साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद कुछ बदल गया।

स्टेडियम में चलाया सफाई अभियान, जश्न के बीच यातायात नहीं होने दिया प्रभावित

अर्लिंग्टन,एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में जापान और नीदरलैंड्स के बीच खेला गया मुकाबला 2–2 की बराबरी पर खत्म हुआ। भले ही नतीजा जापान के पक्ष में नहीं आया, लेकिन टीम के लिए यह किसी जीत से कम नहीं था। जापान के मुकाबले नीदरलैंड्स की टीम काफी मजबूत है, इसके बावजूद जापान ने ड्रॉ खेला। मैच के बाद जापान के प्रशंसकों ने स्वच्छता के प्रति जो जागरूकता दिखाई इससे इन्होंने हर किसी का दिल जीत लिया। दरअसल, जापान और नीदरलैंड्स का मैच खत्म होने के बाद जापान के फैंस स्टेडियम की सफाई करते हुए नजर आए। उन्होंने इधर–उधर पड़े कूड़े को उठाया और सीटों के आसपास पड़ी गंदगी को भी साफ करते हुए दिखाई दिए। फीफा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जापानी फैंस का यह दिल जीत लेने वाला वीडियो शेयर किया। वीडियो में टीम की एक फैन ने बताया कि वह खिलाड़ियों और स्टेडियम का सम्मान करते हैं और यहां पर आकर गर्व महसूस कर रहे हैं और इसी कारण से वह यहां की सफाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह स्टेडियम को गंदा छोड़कर नहीं जाना चाहते हैं। इस बर्ताव के चलते जापानी टीम के फैंस की पूरी दुनिया में तारीफ हो रही है। जापान ने इस मैच में जिस तरह नीदरलैंड्स जैसी मजबूत टीम को ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया उससे टोक्यो में भी जमकर जश्न मना। टोक्यो के प्रसिद्ध शिबुया क्रॉसिंग पर कई प्रशंसक जापान का झंडा लेकर एकत्र हुए। दिलचस्प बात यह है कि जश्न के बीच भी इन प्रशंसकों ने यातायात को प्रभावित होने नहीं दिया। जब ट्रैफिक लाइट लाल हो रही थी तब फैंस क्रॉसिंग पर खड़े होकर जश्न मना रहे थे और लाइट ग्रीन होते ही ये फैंस क्रॉसिंग से हट जा रहे थे जिससे यातायात सुचारु रूप से चलता रहा। जापान ने नीदरलैंड्स को मुकाबले में कड़ी टक्कर दी। पहले हाफ में नीदरलैंड्स ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन जापान के डिफेंस ने उन्हें अपने इरादों में कामयाब नहीं होने दिया।

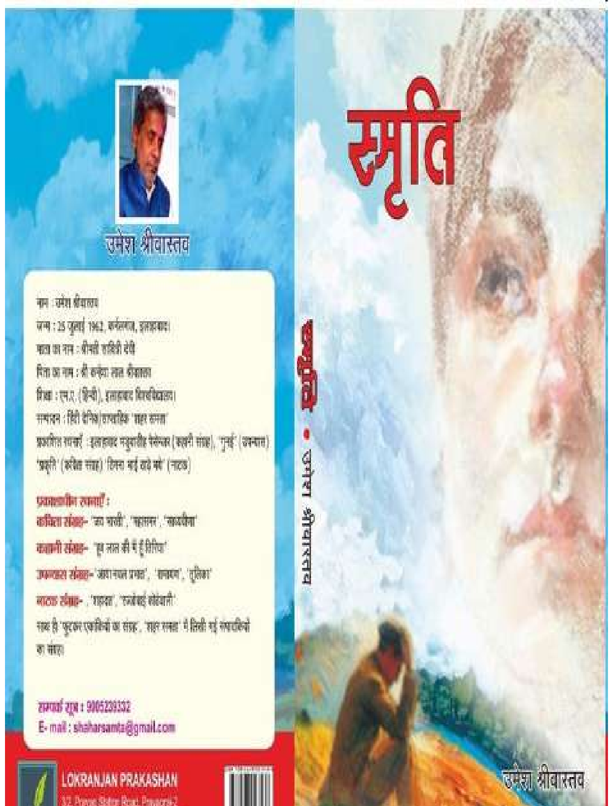

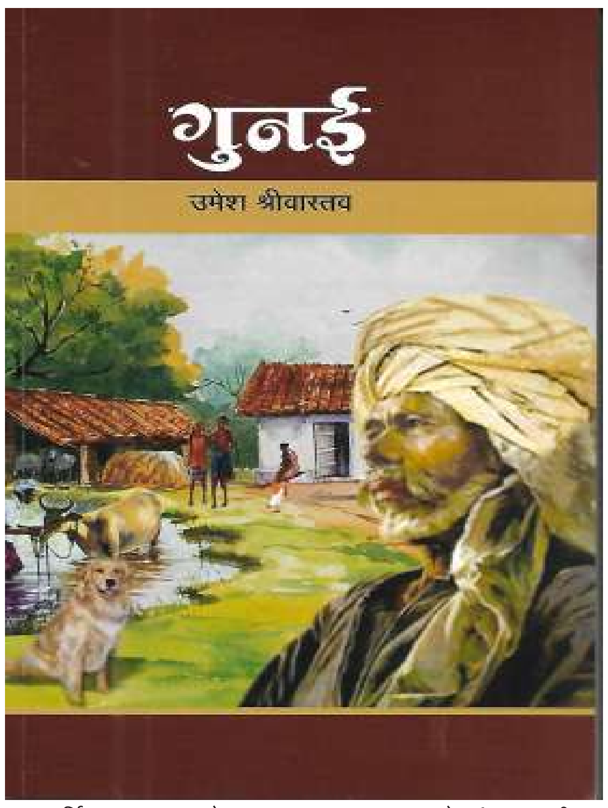

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

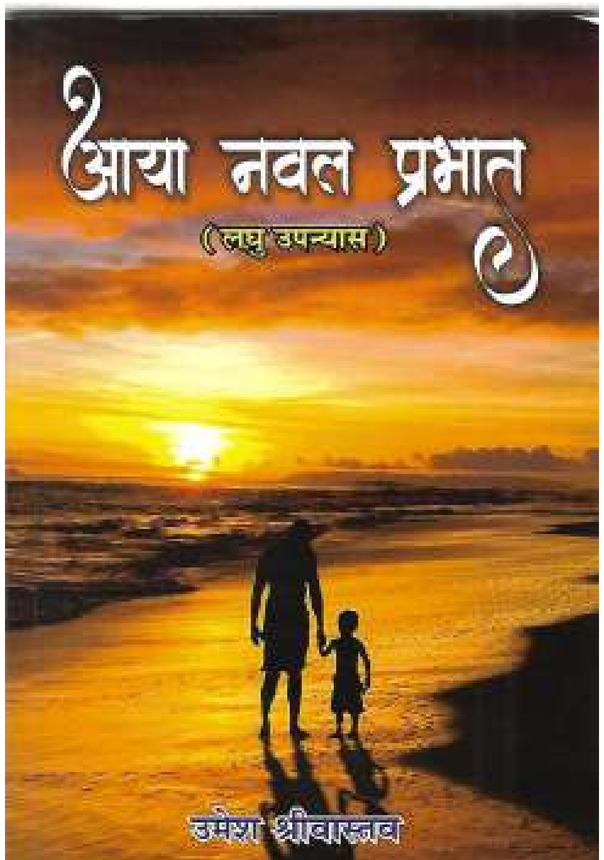

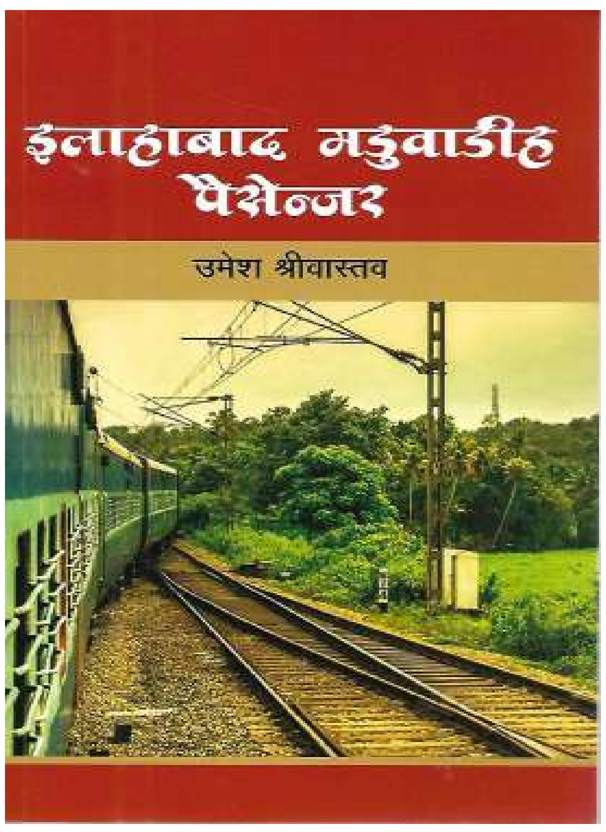

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

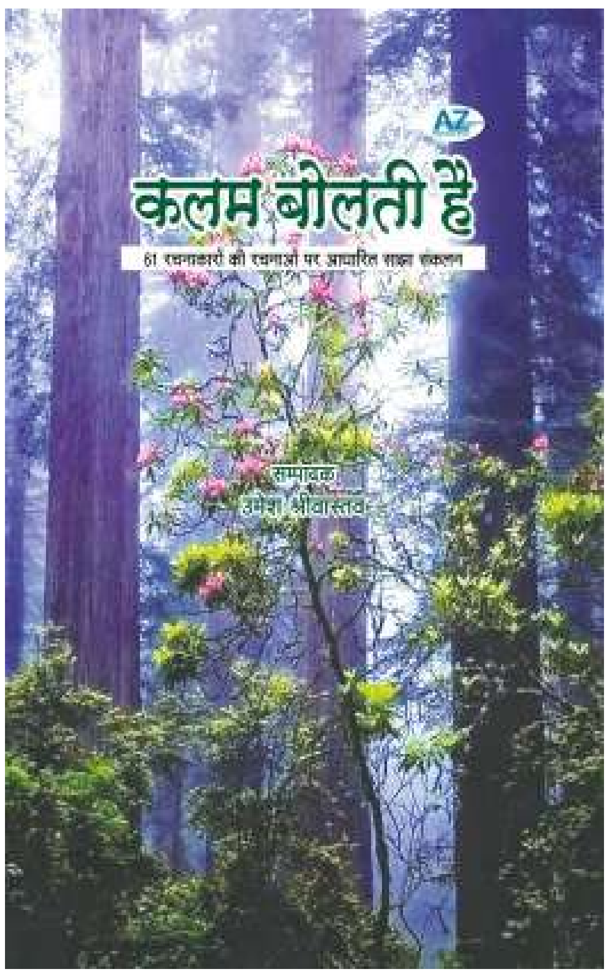

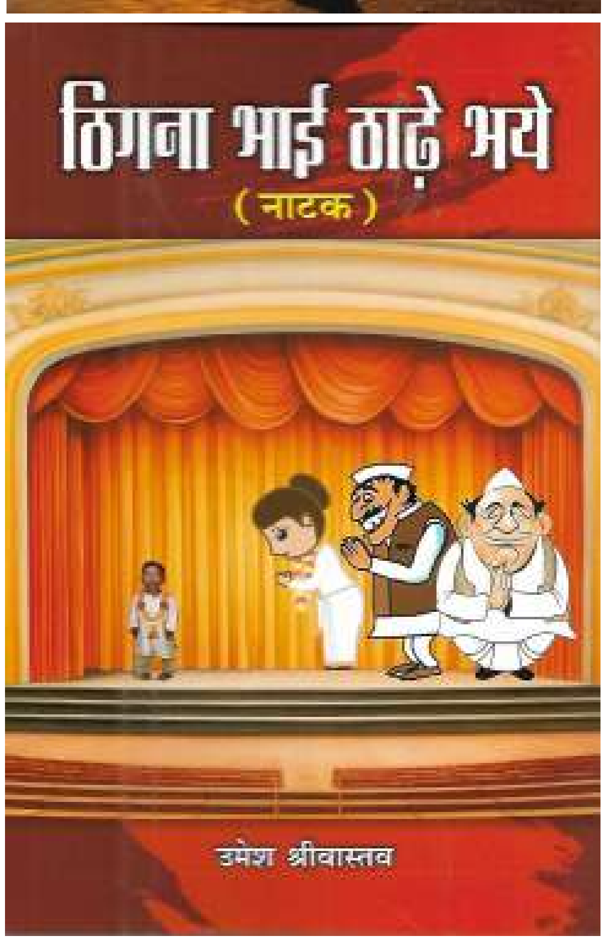

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भगवान राम का अपमान-मूर्ति तोड़ने की धमकी पर विवाद, बांग्लादेश में मानवाधिकार संगठन ने जताई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने गाईबांधा जिले के पलाशबाड़ी में राधा–गोविंद मंदिर में भगवान

राम की तस्वीर के अपमान की कड़ी निंदा की है। श्बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषदश ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। परिषद ने बताया कि एक सांप्रदायिक समूह ने जुलूस के दौरान भगवान राम की तस्वीर का अनादर किया, जिससे हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। परिषद के सदस्यों ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से एक कट्टरपंथी ताकत पलाशबाड़ी में भगवान श्री रामचंद्र की मूर्ति को तोड़ने और नष्ट करने की धमकियां दे रही है। इसके अलावा, ढाका और देश के अन्य हिस्सों में अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ नफरत फैलाने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। परिषद का मानना है कि ऐसी भड़काऊ गतिविधियों से देश में कभी भी सांप्रदायिक हिंसा भड़क सकती है। सरकार से की अपील मानवाधिकार समूह ने इन हरकतों को लोकतांत्रिक और बहुलवादी समाज के लिए पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से अपील की है कि वह इन सांप्रदायिक ताकतों पर लगाम लगाने के लिए तुरंत और प्रभावी कदम उठाए। परिषद ने मांग की है कि धार्मिक अपमान करने वाले लोगों को फौरन गिरफ्तार किया जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने देश के धर्मनिरपेक्ष नागरिकों, नागरिक समाज और राजनीतिक दलों से इन विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ आवाज उठाने को कहा है। भगवान राम की मूर्ति निर्माण का काम रोका गया इसी बीच, स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, अधिकारियों ने पलाशबाड़ी के मंदिर में भगवान राम की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति बनाने का काम रोकने का आदेश दिया है। मंदिर के सलाहकार श्यामल कुमार महंत ने एक मीडिया वार्ता में बताया कि निर्माण कार्य को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इस फैसले से लोगों में काफी नाराजगी है। कई लोगों का आरोप है कि कट्टरपंथी समूहों के दबाव में आकर यह काम रोका गया है। बांग्लादेशी अखबार श्ब्लिट्जश के संपादक सलाहुद्दीन शोएब चौधरी ने भी इस मामले पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि स्थानीय कट्टरपंथी समूहों के भारी विरोध के बाद प्रशासन ने सनातन कॉम्प्लेक्स में भगवान राम की मूर्ति बनाने का काम बंद करवा दिया है। परिषद ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, तो सामाजिक स्थिरता को बड़ा खतरा हो सकता है।

'अमेरिका-ईरान के बीच हुआ शांति समझौता': PAK पीएम के बाद ट्रंप ने की घोषणा, तेहरान ने भी गिनाई अपनी शर्तें

वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव और सैन्य गतिविधियों के बीच अब शांति की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर ट्वीट कर जानकारी दी है कि

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर अंतिम सहमति बन गई है। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल और स्थायी रूप से समाप्त करने का निर्णय लिया है। इसमें लेबनान में चल रही सैन्य गतिविधियां भी शामिल हैं। शहबाज शरीफ ने अपने संदेश में बताया कि इस ऐतिहासिक समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर समारोह 19 जून को स्विट्जरलैंड में आयोजित किया जाएगा। अमेरिका ने नौसैनिक नाकेबंदी हटाने की घोषणा की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ समझौता पूरी तरह संपन्न हो चुका है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि अब अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकेबंदी को तुरंत प्रभाव से हटा दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह से मुक्त कर दिया गया है, ताकि वैश्विक जहाजों की आवाजाही बिना किसी बाधा के हो सके।

ट्रंप ने अपने संदेश में लिखा– दुनिया के जहाजों, अपने इंजन शुरू करो। तेल को बहने दो। हालांकि पोस्ट में यह नहीं बताया गया कि ईरान के साथ हुई डील में क्या–क्या शामिल है। ईरान की तरफ से भी इस पर कोई प्रतिक्रिया पोस्ट में नहीं दी गई है। ईरान ने अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि की ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि तेहरान प्रस्तावित 60 दिन की वार्ता अवधि में अंतिम समझौते के लिए तभी प्रवेश करेगा, जब वह शत्रुता समाप्त करने, नाकाबंदी हटाने और ईरानी संपत्तियों को जारी करने संबंधी वॉशिंगटन की प्रतिबद्धताओं का सत्यापन कर लेगा। ईरान के सरकारी संबद्ध प्रेस टीवी के अनुसार, गरीबाबादी ने कहा कि समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार को होगा, जिसके बाद समझौता ज्ञापन सार्वजनिक किया जाएगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

अमेरिका-ईरान समझौते का ऑस्ट्रेलिया पीएम ने किया समर्थन, कहा- शांति, स्थिरता और सुरक्षा को देंगे बढ़ावा

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने सोमवार को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का स्वागत किया। इसके सात ही उन्होंने दोनों पक्षों से लगातार संयम बरतने की अपील की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ एक संयुक्त बयान में पीएम अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार इस बात से खुश है कि इस समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने और नेविगेशन की आजादी को बहाल करने की दिशा में कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा, श्ऑस्ट्रेलिया लंबे समय से लेबनान समेत सभी जगहों पर तनाव कम करने और लड़ाई खत्म करने की मांग कर रहा है। जैसा कि हमने कहा है यह

लड़ाई जितनी लंबी चलेगी इसका प्रभाव उतना ही ज्यादा होगा। लड़ाई को और बढ़ने से रोकने और एक पक्का समझौता करने के लिए लगातार संयम और अच्छे काम करना जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देता रहेगा। सरकार ऑस्ट्रेलियाई लोगों को लड़ाई के सबसे बुरे प्रभाव से बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया कि अमेरिका और ईरान ने एक डील पूरी कर ली है जिससे होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल जाएगा और अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी खत्म हो जाएगी। उन्होंने इसे महीनों की लड़ाई के बाद एक बड़ी कामयाबी बताया, जिसने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिलाकर रख दिया था और एक बड़े इलाके में लड़ाई का डर पैदा कर दिया था। जर्मन चांसलर ने क्या कहा? वहीं जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा, श्मैं अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत करता हूं। इस कूटनीतिक कामयाबी के लिए, मैं राष्ट्रपति ट्रंप और ईरानी पक्ष को बधाई देता हूं। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था की रिकवरी और इलाके में स्थिरता का रास्ता बन सकता है। जो बातें तय हुई हैं, उन्हें पक्के इरादे और फोकस के साथ लागू करना जरूरी है।श राष्ट्रपति ट्रंप ने टूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, श्इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ डील अब पूरी हो गई है। सभी को बधाई! यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब दुनिया का ध्यान होर्मुज स्ट्रेट पर था, जिससे दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। होर्मुज स्ट्रेट कई महीनों से वाशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव का केंद्र रहा है। शिपिंग में रुकावटों की वजह से दुनिया भर में ऊर्जा की कीमतों में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग को फिर से खोलने और अमेरिकी नाकेबंदी को हटाने की मंजूरी दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, श्मैं होर्मुज स्ट्रेट को टोल फ्री खोलने की पूरी मंजूरी देता हूं। इसके साथ ही, अमेरिका नेवल ब्लॉकेड को तुरंत हटाने जा रहा है। दुनिया भर के जहाजों, अपने इंजन चालू करो। तेल का प्रवाह शुरू होने दो।

ईरान डील पर ट्रंप को घेर रहे डेमोक्रेट्स, सांसद क्रिस मर्फी बोले- ये 'सरेंडर' जैसा समझौता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर ईरान संग पीस डील होने का एलान किया। ईरान ने भी एमओयू को अंतिम रूप दिए जाने पर बयान जारी किया। दुनिया ने राहत की सांस ली है। इस बीच अमेरिकी सांसद स्वागत तो कर रहे हैं लेकिन तंज भी कस रहे हैं। सांसद क्रिस मर्फी ने इसे श्आत्मसमर्पणश करार दिया है। अमेरिकी सांसद ने क्या कहा? डेमोक्रेट्स ईरान के साथ हुए समझौते का स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि यह युद्ध अनावश्यक था और यह समझौता केवल स्थिति को वहीं वापस ले जाता है जहां से शुरुआत हुई थी। डेमोक्रेट सांसद क्रिस मर्फी ने एक्स पर एक पोस्ट लिखा। जिसमें दो अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा, श्अगर ईरान के साथ कोई अंतिम समझौता होता है, तो वह तेहरान

के सामने 'सरेंडर' जैसा लगेगा। हालांकि, ऐसे समझौते का स्वागत किया जाना चाहिए, क्योंकि युद्ध जारी रहने से अमेरिका और कमजोर होगा। जंग से अमेरिका को नुकसान मर्फी ने कहा कि मौजूदा हालात में लंबी जंग अमेरिका के हितों को ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी। इसलिए अगर समझौते के जरिए संघर्ष खत्म होता है, तो यह विकल्प युद्ध जारी रखने से बेहतर होगा। मर्फी ने यह भी कहा कि ईरान की ओर से एकमात्र रियायत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की थी। जबकि यह जलडमरूमध्य संघर्ष से पहले भी खुला हुआ था। उन्होंने तर्क दिया कि ईरान पहले से ही जेसीपीओए के तहत परमाणु हथियार विकसित न करने के लिए प्रतिबद्ध था, जो एक ऐसा समझौता था जिसे बाद में ट्रंप ने छोड़ दिया था। समझौता स्थिति को श्सही दिशाश में ले जाता दरअसल, ट्रंप ने अपनी पोस्ट में होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की बात कही थी। उन्होंने लिखा, 'दुनिया के जहाजों, अपने इंजन चालू कर लो। तेल को बहने दो।' वहीं, डेलावेयर के सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि यह समझौता स्थिति को श्सही दिशाश में ले जाता है, लेकिन अभी भी कई सवाल बाकी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि समझौते की अलग–अलग व्याख्या जोखिम पैदा कर सकती हैं। कून्स ने एक्स पर कहा, श्यह तथ्य कि हमने अभी तक समझौते का कोई लिखित पाठ नहीं देखा है। वहीं, ट्रंप और ईरानी नेता एक बार फिर इस बात पर अलग–अलग दावे कर रहे हैं कि क्या सहमति बनी है। इस बात को रेखांकित करता है कि हमें यह समझौता तुरंत देखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, श्युद्धविराम और वार्ता एक सकारात्मक विकास हैं, लेकिन अब तक इस पसंद के युद्ध ने केवल अमेरिकी सैनिकों और नागरिकों को असुरक्षित किया है। इसके साथ कई महत्वपूर्ण सवालों को अनुत्तरित या अनसुलझा छोड़ दिया है।

ज्वालामुखी के किनारे कर रहा था स्टंट: एक गलती और खत्म हो गई जिंदगी, यमन के स्पाइडरमैन की जिंदगी का दर्दनाक अंत

सना, एजेंसी। यमन के मशहूर एडवेंचर क्रिएटर और सोशल मीडिया स्टार अंतर अल अब्सी, जिन्हें लोग श्यमन का स्पाइडरमैनश कहते थे, की एक खतरनाक स्टंट के दौरान दर्दनाक मौत हो

गई। 30 वर्षीय अंतर अल अब्सी दक्षिणी यमन के अल धाले प्रांत स्थित हराधत दमत ज्वालामुखीय क्रेटर की खड़ी चट्टानों पर चढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे क्रेटर में गिर गए। इस हादसे का वीडियो भी सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों को झकझोर दिया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अंतर अल अब्सी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ज्वालामुखीय क्रेटर की लगभग सीधी चट्टान पर चढ़ रहे थे। वीडियो में वह चट्टान से लटके हुए दिखाई देते हैं, लेकिन कुछ ही क्षण बाद उनकी पकड़ छूट जाती है और वह नीचे गिर जाते हैं। बताया गया है कि यह क्रेटर करीब 120 मीटर गहरा है। हादसे के बाद तुरंत बचाव दल को मौके पर भेजा गया। यमन के नागरिक सुरक्षा प्राधिकरण ने विशेष बचाव दल, गोताखोरों और जल–रिकवरी टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया। हालांकि दुर्गम और पथरीले इलाके के कारण राहत कार्य आसान नहीं था। करीब चार घंटे तक चले अभियान के बाद गोताखोरों ने क्रेटर के भीतर मौजूद पानी से अंतर अल अब्सी का शव बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार, शव पानी की सतह से लगभग 30 मीटर नीचे मिला। अंतर अल अब्सी यमन के सबसे चर्चित एडवेंचर कंटेंट क्रिएटर्स में शामिल थे। वह ऊंचे पहाड़ों, खड़ी चट्टानों और ज्वालामुखीय इलाकों में जाकर जोखिम भरे स्टंट करते थे। उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिनमें वह बिना रस्सी और सुरक्षा उपकरणों के खतरनाक ऊंचाइयों पर चढ़ते नजर आते थे। उनकी इसी शैली के कारण लोगों ने उन्हें श्यमन का स्पाइडरमैनश नाम दिया था। इस घटना के बाद अधिकारियों ने एडवेंचर प्रेमियों और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स से सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकप्रियता हासिल करने की होड़ में सुरक्षा उपायों को नजरअंदाज करना जानलेवा साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का भी मानना है कि खतरनाक स्टंट करते समय हेलमेट, हार्नेस और अन्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना बेहद जरूरी है। अंतर अल अब्सी की मौत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सोशल मीडिया की लोकप्रियता के लिए जान जोखिम में डालना कितना खतरनाक हो सकता है।

अमेरिका ने दी सफाई: जहाज पर हमले से पहले 60 बार दी थी चेतावनी, अटैक में तीन भारतीयों की गई थी जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। जहाज पर हमले और उसमें तीन भारतीयों की मौत के बाद भारत ने कड़ी नाराजगी

जताई। चौतरफा घिरने के बाद अब अमेरिका ने सफाई दी है। अमेरिका के एक अधिकारी ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में पालाऊ के झंडे वाले जहाज पर हमले से पहले लगभग 60 मौखिक चेतावनियां दी थीं। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी एपी ने बताया कि चेतावनियों के बाद कम–से–कम आठ बार जहाज को शक्ति प्रदर्शन के जरिए भी आगाह किया गया था। इसके बावजूद भी जब जहाज ने अमेरिकी निर्देशों की अनदेखी की, तो उस पर हमला किया गया। इस हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। जिसे लेकर भारत ने अमेरिका के सामने नाराजगी भी जाहिर की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सेना ने जहाज को रोकने के लिए फ्लेयर्स दागे, युद्धक विमानों से कई बार उड़ान भरवाई और गोलीबारी से पहले दो अंतिम चेतावनियां भी जारी कीं। इसके बाद अमेरिकी सेना के एक विमान ने जहाज के इंजन कक्ष को निशाना बनाते हुए हमला किया, ताकि जहाज को निष्क्रिय किया जा सके। इसी कार्रवाई में तीन भारतीय चालक दल के सदस्यों की मौत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया कि जिस जहाज पर हमला हुआ, वह तथाकथित शैडो फ्लीट का हिस्सा था, जिसका उपयोग ईरानी तेल के अवैध परिवहन और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने के लिए किया जाता रहा है। अधिकारी के अनुसार, जहाज ने कई बार अमेरिकी नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश की थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (ब्म्छज्ब्ड) ने एक बयान में कहा कि जहाज को निष्क्रिय करने से पहले चालक दल को इंजन रूम खाली करने के लिए 15 मिनट का समय भी दिया गया था। भारत ने दर्ज कराया कड़ा विरोध हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत की घटना के बाद भारत सरकार ने नई दिल्ली में अमेरिकी प्रभारी राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। यही वजह है कि घिरने के बाद अमेरिका इस मुद्दे पर सफाई पेश कर रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को अपने भारतीय विदेश मंत्री से बातचीत में कहा कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी बलों के निर्देशों का तत्काल पालन करना चाहिए।

रूस ने यूक्रेन पर फिर बरसाया कहर: धार्मिक स्थल में लगी आग, बमबारी की चपेट में आए नागरिक ठिकाने, पांच की मौत

कीव, एजेंसी। पिछले तीन वर्षों से जारी रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच सोमवार को रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसमें राजधानी कीव और खारकीव सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। इस हमले में खारकीव में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कीव में कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं। हमले के दौरान कई रिहायशी इमारतों, बाजारों और नागरिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा। सबसे गंभीर नुकसान यूक्रेन के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में से एक कीव–पेचेर्स्क लावरा को हुआ, जहां भीषण आग लग गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने रूस पर जानबूझकर नागरिक ठिकानों और सांस्कृतिक धरोहरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लाइमेनको के अनुसार, खारकीव में रूसी हमले के बाद लगी आग को बुझाने पहुंचे बचावकर्मी दूसरे हमले की चपेट में आ गए। इस हमले में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कम से कम पांच अन्य आपातकालीन कर्मी घायल हो गए। अधिकारियों का कहना है कि यह हमला ऐसे समय किया गया जब राहत और बचाव कार्य जारी था। यूक्रेनी प्रशासन ने इसे बेहद गंभीर और चिंताजनक घटना बताया है। वहीं राजधानी कीव में भी बैलिस्टिक मिसाइलों और शाहेद ड्रोन के जरिए कई हमले किए गए, जिसके बाद लोगों को भूमिगत शरणस्थलों में जाना पड़ा। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने दावा किया कि रूस ने जानबूझकर रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले में 30 मिनट के भीतर पांच हमले हुए, जिनमें एक 25 मंजिला अपार्टमेंट भवन को भारी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा एक बाजार और किराना स्टोर में भी आग लग गई। ओबोलोंस्की जिले में नौ मंजिला आवासीय इमारत सीधे हमले की चपेट में आई। अधिकारियों के अनुसार, हमलों में एक बच्चे समेत 13 लोगों को चिकित्सकीय सहायता की जरूरत पड़ी। यूक्रेन का आरोप है कि इन हमलों का उद्देश्य नागरिकों में भय पैदा करना और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाना था। रूसी हमले में कीव–पेचेर्स्क लावरा परिसर को भी भारी नुकसान पहुंचा। यह यूक्रेन के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण ईसाई धार्मिक स्थलों में से एक है।

हमले के दौरान डॉर्मिशन कैथेड्रल की छत में आग लग गई। यूक्रेन के ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख मेट्रोपॉलिटन एपिफेनियस ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे मानवता, इतिहास और ईसाई धर्म के खिलाफ अपराध बताया। 11वीं से 19वीं शताब्दी के बीच विकसित यह परिसर यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। यहां स्थित चर्च, मठ और भूमिगत गुफाएं सदियों से श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रही हैं। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि इस स्थल को हुआ नुकसान केवल यूक्रेन ही नहीं, बल्कि विश्व सांस्कृतिक विरासत के लिए भी बड़ा झटका है।

ईरान ने की अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि, डील के बाद गिनाई अपनी शर्तें

तेहरान, एजेसी। पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष को रोकने के लिए अमेरिका–ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि की।

उन्होंने कहा कि तेहरान अंतिम समझौते के लिए 60 दिनों की वार्ता अवधि में तभी प्रवेश करेगा, जब वह युद्ध समाप्त करने, नाकाबंदी हटाने और ईरानी संपत्तियों को जारी करने संबंधी वॉशिंगटन की प्रतिबद्धताओं का सत्यापन कर लेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।